आषाढ़ शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 333 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 02-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 देश की करोड़ों महिलाओं के लिए आदर्श हैं राष्ट्रपति मुर्मू : योगी आदित्यनाथ

6 समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा की जरूरत

7 इंतजार का कोई मलाल नहीं : शनाया कपूर

फर्स्ट टेक

भारत और फ्रांस की सेनाओं ने संयुक्त अभ्यास किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय और फ्रांसीसी सेनाओं ने सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त परिचालन तैयारियों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए फ्रांस में दो सप्ताह का युद्धाभ्यास किया। फ्रांस की तरफ से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि 18 जून से एक जुलाई तक आयोजित भारत-फ्रांस सैन्य अभ्यास 'शक्ति' के लिये लगभग 50 बख्तरबंद और सामरिक वाहन और लड़ाकू जेट तैनात किए गए थे। विज्ञप्ति के अनुसार, इस अभ्यास में फ्रांसीसी सेना, विदेशी स्वयंसेवक सैनिक, साथ ही फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना तथा फ्रांसीसी नौसेना की विभिन्न इकाइयों के 500 से अधिक सैनिक और सैन्यकर्मी शामिल हुए।

02-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे | 03-07-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
83,697.29 (+90.83)	25,541.80 (+24.75)

सोना	चांदी
10,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,575 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उसे सबकी खबर

सबद कीर्तन अजां आरती,
अपने मन से चुनता है।
माया के इस मकड़जाल को,
निज हाथों से बुनता है।
क्यों इस शोर शराबे में तू,
अपने सिर को धुनता है।
चींटी के पैरों की आहट,
को भी मालिक सुनता है।।

शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

श्रीमती मुर्मू ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रेक्षागृह व पंचकर्म सेंटर का लोकार्पण तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। राष्ट्रपति ने वन महोत्सव के अंतर्गत यहां भी रुद्राक्ष का पौधा रोपा, फिर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि नए महिला छात्रावास का शिलान्यास कर सबसे अधिक खुशी हो रही है। शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए यह कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में अमूल्य पहल है।

राष्ट्रपति ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सराहना करते हुये कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरित सभी संस्थानों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रसारित होती है। लगभग 700 वर्ष पहले महाराणा प्रताप ने राष्ट्रगौरव के लिए त्याग और पराक्रम का जो आदर्श प्रस्तुत किया था, वह देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होने आशा जताई कि इस विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी प्रोफेशनल एजुकेशन पर आधारित उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ आध्यात्मिकता तथा राष्ट्रप्रेम के आदर्शों को अपने आचरण में ढालेंगे। उन्होने कहा कि मानव शरीर को दोषमुक्त बनाने में पंचकर्म की प्रक्रिया बहुत प्रभावी सिद्ध हुई है। इस क्रिया की सहायता से असाध्य रोगों के सफल उपचार के उदाहरण देखने को मिलते हैं। आशा है कि नए पंचकर्म केंद्र से अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो पाएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कक्षा सात की पढ़ाई पूरी करके मैं सत्र 1970-71 में आठवीं व उसके आगे की पढ़ाई करने के लिए अपने गांव से 300 किमी. दूर भुवनेश्वर गई। 55 वर्ष पहले वह दूरी भी बहुत अधिक थी, क्योंकि तब आवागमन के साधन बहुत सीमित हुआ करते थे। मुझसे पहले मेरे गांव की कोई बालिका बाहर पढ़ने नहीं गई थी। भुवनेश्वर में मुझे महिला छात्रावास में रहने की सुविधा मिली। अब तो बहुत बदलाव आ चुका है। हमारी बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं, लेकिन आज भी अनेक बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेटियों के लिए सुरक्षित आवास न होने से उनकी उच्च शिक्षा की यात्रा में अवरुद्ध होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत परोपकार व जनहितैषी लक्ष्यों के लिए कार्य करने में निजी उच्च शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विश्व को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखानी चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बना क्वाड एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है, जो मुख्य रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

वाशिंगटन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को कभी भी समान नहीं माना जाना चाहिए और भारत को आतंकवादी हमलों से अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों की मौजूदगी में जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत को उम्मीद है कि उसके क्वाड साझेदार आतंकवाद से निपटने के मामले में उसकी स्थिति को समझेंगे और उसकी सराहना करेंगे।

जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी में क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक से पहले मीडिया से यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, विश्व को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखानी चाहिए। पीड़ितों और अपराधियों को कभी भी समान नहीं माना जाना चाहिए और भारत को आतंकवाद से अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

विदेश मंत्री ने कहा, और हम उस अधिकार का प्रयोग करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे क्वाड साझेदार इस बात को समझेंगे और इसकी सराहना करेंगे। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के लिए चयन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बना क्वाड एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है, जो मुख्य रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

उम्मीद है कि क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक इस वर्ष के अंत में दिल्ली में होने वाले समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आधार तैयार करेगी।

जयशंकर ने कहा, यह आवश्यक है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों को चयन की स्वतंत्रता मिले, जो विकास और सुरक्षा पर सही निर्णय लेने के लिए आवश्यक है।

वाल्मिकी अनुसूचित जाति विकास निगम में

अदालत ने कथित घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश दिया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित घोटाले की मंगलवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से व्यापक जांच का आदेश दिया। इससे पहले, इस मामले में सीबीआई की भूमिका सीमित अनियमितताओं की जांच तक ही सीमित थी। लेकिन, उच्च न्यायालय ने अब पूर्ण जांच का निर्देश दिया है तथा राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) को मामले से संबंधित सभी दस्तावेज और साक्ष्य केंद्रीय एजेंसी को सौंपने को कहा है। इस मामले में आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि के गबन के गंभीर आरोप शामिल हैं। जून में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेल्लारी के कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और कर्नाटक के तीन विधायकों के ठिकानों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कई छापे मारे थे। यह तलाशी 'वाल्मीकि निगम' द्वारा की गयी धनराशि की संदिग्ध हेराफेरी की एक बड़ी जांच का हिस्सा थी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने दिया

शिवगंगा में हिरासत में हुई मौत मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मृतक के परिवार से बात की और उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक ईमानदार व पारदर्शी जांच का आश्वासन दिया।

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को शिवगंगा में हिरासत में हुई 29 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया। इस घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए अजित कुमार की तिरुप्पुवनम में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने एक बयान में कहा, यह अनुचित है और इसे माफ नहीं किया जा सकता। शुरुआत में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था, बाद में हत्या के आरोप में पांच को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक को अनिवार्य प्रतीक्षा में रखा गया है, जबकि एक डीएसपी को निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मृतक के परिवार से बात की और उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक ईमानदार व पारदर्शी जांच का आश्वासन दिया।

स्टालिन ने कहा, मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने मामले की सीबी-सीआईडी जांच की अनुमति दे दी है। हालांकि, पांच पुलिसकर्मियों पर आरोप लगे हैं, इसलिए जांच को लेकर कोई आशंका न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए मैंने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीबीआई को पूरा सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि पुलिसकर्मियों को मानवीय तरीके से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा, तिरुप्पुवनम में कुछ पुलिसकर्मियों की हरकतें अक्षम्य हैं। मैं चेतावनी देना चाहता हूं कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

नौसेना को मिला नया स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट उदयगिरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ पणजी/भाषा। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएसएल) में निर्मित प्रोजेक्ट 17ए का दूसरा स्टेल्थ फ्रिगेट उदयगिरि मंगलवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। यह प्रोजेक्ट 17ए के तहत शिवालिक श्रेणी का दूसरा जहाज है।

इस श्रेणी के कुल सात स्टेल्थ युद्धक पोत (फ्रिगेट्स) बनाए जाने हैं और इन्हें अगले वर्ष के अंत तक नौसेना को सौंपा जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि उदयगिरि को तय तारीख से पहले 37 महीने के रिकॉर्ड समय में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। यह फ्रिगेट बहुत-से मिशनों के लिए कार्य करने में सक्षम है। इसमें रडार या अन्य टोही उपकरणों से बच कर कार्रवाई करने की विशेषताएं बढ़ाई गई हैं। ये जहाज अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों से लैस हैं। इन जहाजों पर भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो की अपनी अभूतपूर्व डिजाइन क्षमताओं की छाप है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा

'डिजिटल इंडिया' के बड़े-बड़े वादे अधूरे और दावे 'फर्जी' हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम को लेकर किए गए बड़े-बड़े दावों के बावजूद वादे अधूरे और दावे फर्जी हैं तथा इससे निजता को नुकसान पहुंचा है एवं पारदर्शिता भी कमजोर हुई है।

'डिजिटल इंडिया' भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा एक जुलाई, 2015 को शुरू किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम है।

इसके 10 साल पूरा होने के मौके पर खरगे ने उन गांवों और स्कूलों का हवाला दिया, जहां अभी तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी नहीं पहुंची है। उन्होंने सरकार के स्वामित्व वाली दूरसंचार कंपनियों- एमटीएनएल और बीएसएनएल पर 'बढ़ते कर्ज' और साइबर अपराधों में वृद्धि का भी उल्लेख किया।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के 'डिजिटल इंडिया' के बड़े-बड़े वादे अधूरे रहे और दावे धरे के धरे रह गए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 26 जून, 2025 तक, 'भारतनेट' परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इनमें से 4.53 लाख गांवों (यानी 65 प्रतिशत) को अब भी कवर किया जाना बाकी है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''परियोजना की समय सीमा को 11 वर्षों में कम से कम आठ बार संशोधित किया गया है। फिलहाल केवल 0.73 प्रतिशत (766) ग्राम पंचायतों में वाई-फाई सेवाएं हैं। जहां निजी खिलाड़ी 5जी का विकल्प चुन रहे हैं, वहीं बीएसएनएल का एक लाख 4जी टावर लगाने का अपना लक्ष्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। एक तिहाई टावर लगाए जाने बाकी हैं।''

श्री विमलनाथाय नमः
श्री दादा गुरूभ्यो नमः श्री गौतम स्वामिने नमः श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः
श्री विमलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर एवं जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी, बसवनगुड़ी बेंगलूरू के परम पवित्र प्रांगण में
चातुर्मासिक आराधनार्थे मंगल प्रवेश
आज्ञा प्रदाता: प.पू. गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा.
निश्रा : प.पू. मुनिश्री मलयप्रभ सागर जी म. सा. आदि ठाणा 2
सान्निध्यता : चम्पाकली गणिनी प्रवरा श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म. सा. एवं
प. पू. स्नेह सुरभि श्री पूर्णप्रभाश्रीजी म. सा. की चरणाश्रिता प. पू. साध्वीजी
श्री हर्षपूर्णाश्रीजी म. सा. पूज्या साध्वी जी श्री मनोरमा श्री जी म. सा. आदि ठाणा 7
मिति आषाढ़ शुक्ल ९, शुक्रवार 04 जुलाई 2025
सकल श्री संघों को आत्मीय निवेदन
मंगलमय कार्यक्रम
प्रात: 9. 00 बजे : श्री संभवनाथ जैन मंदिर वी. वी. पुरम बेंगलोर से महिला मंडल एवं सकल संघ के साथ विराट शोभायात्रा का शुभारम्भ
प्रात: 10. 15 बजे : मंदिरजी में मंगल प्रवेश, दर्शन वंदन, एवं प्रवचन
प्रात : 12.05 बजे : सकल श्री संघ का स्वामीवात्सल्य
स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी
हमारी कुलदीपिका प.पू. साध्वीवर्या श्री मनोरमा श्रीजी की प्रेरणा से गौतम कुमार जी, पंकज कुमार जी, महावीर कुमार जी, निकेश जी, आशीष जी, कृष जी, प्रियम जी, कवीर जी बाफना परिवार, गढ़ सिवाना- बेंगलोर निवासी
कार्यक्रम स्थल:श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन, 89/90 गौविन्या रोड, बसवगुडी बैंगलोर-04
भवन के लाभार्थी परिवार: श्री छगनराज जी तलाजी दांतेवाडिया परिवार, मांडवला निवासी
उपरोक्त कार्यक्रमों में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।
निवेदक : श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी - बेंगलोर

कोयले की कमी अब बीते दिनों की बात : केंद्रीय मंत्री दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने मंगलवार को कहा कि सरकार कुशल तरीके से कोयला निकासी को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साह दे रही है और अब इस ईंधन की कमी अतीत की बात हो गई है।

दुबे ने बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, कोयले की कमी अतीत की बात हो गई है।''

बयान में कहा गया है कि मंत्री कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (एसईसीएल) के परिचालन क्षेत्रों के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय सुरक्षित और कुशल रूप से कोयला निकालने को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीकों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहन दे रहा है। उन्होंने अत्याधुनिक उपकरणों को अपनाने के लिए एसईसीएल की सराहना की।

मंत्री ने कहा, ''कंटिन्यूअस माइनर जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए हमारा लक्ष्य भूमिगत कोयला उत्पादन को बढ़ाना और 2030 तक भूमिगत खदानों से 10 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करना है।''

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया का कोयला उत्पादन जून में 8.5 प्रतिशत घटकर 5.78 करोड़ टन रहा। जबकि सरकार का आयात पर निर्भरता कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य है।

कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी द्वारा कोयला उत्पादन 6.31 करोड़ टन था।

चालू वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का कोयला उत्पादन घटकर 18.33 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में 18.93 टन था। हालांकि, कंपनी ने कोयला उत्पादन में गिरावट का कारण नहीं बताया।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, जादूगर बी. वी. पट्टाभिराम का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। जानेमाने मनोवैज्ञानिक, व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक, जादूगर और लेखक बी. वी. पट्टाभिराम का दिल का दौरा पड़ने से यहां निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे।

पट्टाभिराम के मित्रों ने मंगलवार को बताया कि पट्टाभिराम का निधन 30 जून की रात में हुआ।

पंद्रह भाई-बहनों वाले परिवार से ताल्लुक रखने वाले पट्टाभिराम ने जादू के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों में अपने जादू के शो के जरिये दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। वह एक व्यापक रूप से प्रशंसित व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक, परिवार और छात्रों के काउंसलर भी थे। उनके यूट्यूब चैनल के लाखों सब्सक्राइबर थे और कई युवा जोड़े उन्हें अपने विवाह को टूटने से बचाने का श्रेय देते हैं। उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखी थीं।

पट्टाभिराम की पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम, पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी प्रशंसा की थी। पट्टाभिराम के परिवार में उनकी पत्नी और बेटा हैं। उनका अंतिम संस्कार दो जुलाई को हैदराबाद में किया जाएगा।

जीएसटी का जोर अब कारोबार सुगमता बढ़ाने, बेहतर अनुपालन पर

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि आठ साल पूरे कर चुके माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का जोर अब कारोबार को सुगम बनाने, मजबूत अनुपालन सुनिश्चित करने और व्यापक आर्थिक समावेश को बढ़ावा देने पर होगा। कुल 17 करों और 13 उपकरों को शामिल कर एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी ने अनुपालन को सरल और कर प्रणालियों को डिजिटल बनाकर एक निर्बाध राष्ट्रीय बाजार बनाने में मदद की है। साथ ही इसने करदाता आधार का भी विस्तार किया है और सहकारी संघवाद को मजबूत किया है। वित्त मंत्रालय ने 'जीएसटी के आठ साल पूरे होने पर रिपोर्ट कार्ड' जारी करते हुए कहा, ''माल एवं सेवा कर अपने नौवें साल में प्रवेश कर रहा है। यह कारोबार को सरल बनाने के साथ मजबूत अनुपालन और व्यापक आर्थिक समावेश को प्राथमिकता देते हुए विकसित हो रहा है। इससे भारत की आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका मजबूत हो रही है।'' संचालन के पहले वर्ष (नौ महीने) में सकल जीएसटी संग्रह 7.40 लाख करोड़ रुपए था। पिछले कुछ वर्षों में इसमें तेजी से वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड 22.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की वृद्धि है। यह वृद्धि अर्थव्यवस्था के संगठित होने और बेहतर कर अनुपालन को दर्शाती है।

उपचुनाव में विधायक चुने जाने पर 'आप' नेता संजीव अरोड़ा ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा ने पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हाल में हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद मंगलवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अरोड़ा ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को अपना इस्तीफा सौंपा, जिन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है।

पहली बार सांसद बने अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने गए थे और उनका कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक था। लुधियाना के रहने वाले कारोबारी अरोड़ा ने उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशु के खिलाफ 10,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की। अब 'आप' के लिए पंजाब में सत्तारूढ़ पार्टी से किसी और को राज्यसभा में नामित करने का रास्ता साफ हो गया है। 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस बात से इनकार किया है कि वह संसद के उच्च सदन की सदस्यता हासिल करने की दौड़ में शामिल हैं। केजरीवाल के राज्यसभा में जाने को लेकर पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही थीं।

सरकार ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को दी मंजूरी

1.07 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 1.07 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इसका मकसद सेवानिवृत्ति निधि निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अगले दो वर्ष में 3.5 करोड़ नौकरियों का सृजन करना है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसका मकसद सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इसमें विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य दो साल में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहन देना है। इसके अलावा यह योजना पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन देगी। इस योजना के तहत पहली बार नौकरी पर रखे गए कर्मचारियों को एक महीने का वेतन (15,000 रुपए तक) मिलेगा। वहीं नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए दो साल की अवधि के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र के लिए लाभ को और दो साल के लिए बढ़ा दिया जाएगा। ईएलआई योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल एवं अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं के पैकेज के हिस्से के रूप में की गई थी। इसका कुल बजट परिव्यय दो लाख करोड़ रुपए था।

वैष्णव ने रेलवन एप्लीकेशन की शुरुआत की

यात्रियों को सभी जरूरतों का एकजगह मिलेगा समाधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेलवन मोबाइल ऐप्लीकेशन की शुरुआत की जिससे यात्रियों को टिकट बुकिंग, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ, यात्रा योजना बनाने, रेल सहायता सेवाएं और भोजन बुकिंग जैसी कई सेवाओं तक आसान पहुंच में मदद मिलेगी। वैष्णव ने रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) के 40वें स्थापना दिवस समारोह में इस ऐप की शुरुआत की। यह ऐप एंड्रॉइड प्ले स्टोर और आईओएस ऐप स्टोर, दोनों प्लेटफार्म पर उपलब्ध है।

रेल मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''रेलवन ऐप पर यात्रियों की सभी जरूरतों का समाधान उपलब्ध होगा। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक आसान पहुंच मिलेगी: टिकटिंग - आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफॉर्म टिकट; ट्रेन और पीएनआर पूछताछ; यात्रा योजना; रेल सहायता सेवाएं; ट्रेन में भोजन की बुकिंग।'' इसमें कहा गया है, ''इसके अतिरिक्त, माल ढुलाई से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है।'' ऐप के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मंत्रालय ने कहा कि यह उपयोगकर्ताओं को सरल और स्पष्ट यूजर इंटरफेस के माध्यम से बेहतर अनुभव प्रदान करेगा।

मंत्रालय ने कहा, ''इसमें न केवल सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत कनेक्टिविटी भी है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेलवे सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। इस ऐप की एक खास विशेषता सिंगल साइन-ऑन है, जिससे उपयोगकर्ताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं रहती। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, रेलवन ऐप डाउनलोड करने के बाद, कोई भी व्यक्ति रेलकनेक्ट या यूटीएसऑनमोबाइल ऐप की मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी का उपयोग करके लॉग इन कर सकता है। इससे उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखने की आवश्यकता नहीं रहती, जिससे डिवाइस स्टोरेज की बचत होती है। इसमें कहा गया है, आर-वॉलेट (रेलवे ई-वॉलेट) सुविधा भी इस ऐप में जोड़ी गई है। संख्यात्मक एमपिन और बायोमेट्रिक लॉगिन जैसी आसान लॉगिन सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं।

इसमें कहा गया है कि नये उपयोगकर्ताओं के लिए न्यूनतम जानकारी प्रदान करके पंजीकरण करने का प्रावधान है, जिससे पंजीकरण प्रक्रिया आसान और तेज हो जाती है। इसमें कहा गया है कि जो उपयोगकर्ता केवल पूछताछ करना चाहते हैं, वे अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी के साथ अतिथि लॉगिन के माध्यम से भी लॉग इन कर सकते हैं।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जून में 14 महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जून में बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 58.4 पर पहुंच गई। इससे उत्पादन और नए ऑर्डर में तेजी के साथ रोजगार में रिकॉर्ड वृद्धि का संकेत मिलता है। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक मई में 57.6 था। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को बताता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत का विनिर्माण पीएमआई जून में 14 महीने के उच्चतम स्तर 58.4 पर पहुंच गया। मजबूत मांग ने उत्पादन, नए ऑर्डरों और रोजगार सृजन में विस्तार को बढ़ावा दिया।'' जून में नए ऑर्डर में भी तेजी देखी गई। विस्तार की दर करीब एक साल में सबसे मजबूत थी।

ईडी ने घर खरीदारों के साथ 'धोखाधड़ी' में 'रहेजा डेवलपर्स लि.' के परिसरों पर छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में रियल एस्टेट कंपनी 'रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड' और उसके निदेशकों के खिलाफ छापेमारी में संपत्तियों का ब्योरा मिला है और 'अभियोजनयोग्य' दस्तावेज जब्त किये गये हैं। यह छापेमारी दिल्ली-एनसीआर तथा पंजाब के मोहाली में 27 जून को की गयी थी। ईडी ने एक बयान में कहा कि उसका यह धनशोधन मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा 'रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड', इसके प्रबंध निदेशक नवीन रहेजा और अन्य के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों पर आधारित है। ईडी के अनुसार, प्राथमिकियों में आरोप लगाया गया है कि 'रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड' ने विभिन्न समूह आवास परियोजनाओं में आवासीय फ्लैट देने का वादा करके निवेशकों और घर खरीदारों से धोखाधड़ी से 'काफी' रकम जुटा ली, वह लेकिन वादा किए गए फ्लैट सौंपने में विफल रहा।

राणे ने राज ठाकरे से नजदीकी बढ़ाने को लेकर उद्धव पर निशाना साधा

मुंबई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद नारायण राणे ने मंगलवार को शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन पर अपने चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे को परेशान करने का आरोप लगाया। राणे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे में खोई जमीन वापस पाने की ताकत या क्षमता नहीं है और अविभाजित शिवसेना के पतन के लिए अकेले वह ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे वक्त में की है जब राजनीतिक रूप से अलग हो चुके ठाकरे बंधुओं ने करीब दो दशक बाद पांच जुलाई को एक मंच साझा करने का फैसला किया है। राणे ने पोस्ट में लिखा, ''उद्धव ठाकरे भाईचारे का हवाला देकर राज ठाकरे के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन क्या वह भूल गए हैं कि उन्होंने राज को परेशान किया था। उन्हें बहुत परेशान किया था और उन्हें पार्टी (अविभाजित शिवसेना) छोड़ने के लिए मजबूर किया था? क्या उन्हें पता नहीं है कि उन्होंने क्या किया? अब वह राज की चापलूसी क्यों कर रहे हैं?''

जगन ने युवाओं से आंध्र सरकार की 'विफलताओं' को उजागर करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को पार्टी के युवाओं से तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत सरकार के कथित 'जनविरोधी एजेंडे' का सक्रिय रूप से सामना करने का आह्वान किया।

ताडेपल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में वाईएसआरसीपी युवा शाखा की बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने सदस्यों से लोगों से जुड़ने, जनता की चिंताओं को उजागर करने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की कथित 'विफलताओं और अत्याचारों' का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, यह आपके नेतृत्व का करने का समय है - लोगों के पास जाएं, पार्टी (वाईएसआरसीपी) में प्रभावशाली लोगों को लाएं और सरकार के कथित गलत कामों को ऑनलाइन और जमीनी स्तर पर उजागर करें। वाईएसआरसीपी के बनने को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने सिर्फ दो विधायकों के साथ शुरुआत की थी और राजनीतिक अलगाव के बावजूद बाधाओं को पार करते हुए 2010 के बाद के उपचुनावों में भारी समर्थन हासिल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 के चुनावों के बाद तेदेपा ने वाईएसआरसीपी के 67 में से 23 विधायकों को अपने पाले में कर लिया था और कहा कि पार्टी ने दबाव का सामना किया और पूरे समय लोगों के साथ मजबूती से खड़ी रही। वाईएसआरसीपी संस्थापक ने घोषणा की कि युवा शाखा के लिए क्षेत्रवार कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे, जिनमें भविष्य में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले होनहार नेता शामिल होंगे।

ट्रेडमार्क उल्लंघन के लिए अमेजन को 340 करोड़ रु. का भुगतान करने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत अमेजन टेक्नोलॉजीज इंक को लक्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड बेवर्ली हिल्स पोलो क्लब के ट्रेडमार्क उल्लंघन के लिए क्षतिपूर्ति और लागत के रूप में लगभग 340 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर और न्यायमूर्ति अजय दिगपॉल की पीठ ने यह फैसला एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनाया, जिसमें अमेजन टेक्नोलॉजीज को लाइफस्टाइल इक्विटीज को इस आधार पर 3.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हर्जाना देने का निर्देश दिया गया था।

आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए विशेष प्रकोष्ठ : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के पीड़ितों के परिजनों की चिंताओं को दूर करने और अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए उपराज्यपाल सचिवालय में एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा और टोल फ्री नंबर की भी सुविधा मिलेगी।

पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों के परिजनों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उन्होंने उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को उन मामलों को फिर से खोलने का निर्देश दिया, जिन्हें जानबूझकर दबा दिया गया था।

यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सिन्हा ने आतंकवादी हमलों में मारे गए कुछ कश्मीरी नागरिकों के परिजनों से कुछ दिन पहले मुलाकात की थी और कहा था कि 2019 से पहले दशकों तक आतंकवाद के पीड़ितों को न्याय से वंचित रखा गया।

सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''परिजनों की चिंताओं को दूर करने के लिए उपराज्यपाल सचिवालय में विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा। मुख्य सचिव कार्यालय में भी इसी तरह का प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा। आतंकवाद के पीड़ितों के परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी और कई दशकों से खुलेआम घूम रहे अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।''

सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए एक 'टोल-फ्री नंबर' भी अधिसूचित किया जाएगा।

सिन्हा ने कहा, ''विभिन्न इलाकों के उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे जानबूझकर दबा दिए गए मामलों को फिर से खोलें और प्राथमिकी दर्ज करें तथा यह सुनिश्चित करें कि प्राथमिकता के आधार पर पीड़ितों के करीबी रिश्तेदारों को नौकरी दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवादियों या उनके समर्थकों द्वारा पीड़ितों के परिजनों की हड़पी गई संपत्ति को भी मुक्त करवाना है, इस संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह उन तत्वों की पहचान करें जो आम कश्मीरियों की हत्या में शामिल थे और वर्तमान में सरकारी विभागों में काम कर रहे हैं।''

दो दशक बाद मंच साझा करेंगे चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। त्रिभाषा नीति से संबंधित विवादित सरकारी प्रस्ताव वापस लिए जाने के उपलक्ष्य में शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की पांच जुलाई को होने वाली संयुक्त विजय रैली में 20 साल में पहली बार उद्धव और राज ठाकरे मंच साझा करते दिखाई देंगे। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे ने मंगलवार को वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में आयोजित होने वाले मराठी विजय दिवस समारोह के लिए संयुक्त सार्वजनिक निमंत्रण जारी किया।

'मराठीचा आवाज' शीर्षक वाला संयुक्त निमंत्रण इस आयोजन की पहली आधिकारिक घोषणा है। निमंत्रण में पार्टी का कोई चिन्ह या झंडा नहीं है, बस महाराष्ट्र की एक ग्राफिक तस्वीर दिखाई गई है। इसमें मेजबान के रूप में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के नाम का उल्लेख है। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने पुष्टि की कि उद्धव और राज ठाकरे रैली में शामिल होंगे। आने वाले महीनों में चर्चित मुंबई नगर निकाय और अन्य नगर निगमों के चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में मराठी पहचान के संवेदनशील मुद्दे पर दोनों भाइयों के बीच संभावित सुलह पर राज्य के राजनीतिक हलकों में उत्सुकता से नजर रखी जा रही है। महाराष्ट्र के स्कूलों में कक्षा एक से हिंदी भाषा की पढ़ाई शुरू करने को लेकर विरोध के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित दो जीआर (सरकारी प्रस्ताव) वापस लेने की घोषणा की। मनसे और शिवसेना (उबाठा) ने त्रिभाषा नीति के माध्यम से हिंदी भाषा को थोपे जाने के खिलाफ विरोध मार्च का आह्वान किया था।

राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव वापस लिए जाने के तुरंत बाद, दोनों दलों ने मराठी लोगों की जीत का हवाला देते हुए, संयुक्त मार्च रद्द कर दिया।

कर्नाटक में विधायकों, सांसदों के साथ नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा नहीं हुई : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर विधायकों के साथ किसी तरह की रायशुमारी नहीं की गई है। उन्होंने यह टिप्पणी इस मामले पर कांग्रेस की राज्य इकाई में आंतरिक कलह के मद्देनजर की है। सुरजेवाला ने कहा कि वह विधायकों और सांसदों से उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कार्यों को समझने के लिए मुलाकात कर रहे हैं।

सुरजेवाला ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आपमें से कुछ ने मुझसे पूछा कि क्या आप नेतृत्व परिवर्तन पर राय ले रहे हैं। मैंने कल भी जवाब दिया था और आज फिर दे रहा हूं--एक शब्द में स्पष्ट रूप से 'नहीं' है।'' कांग्रेस महासचिव ने बताया कि उन्होंने पार्टी विधायकों, सांसदों, एमएलसी और विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने वाले पार्टी उम्मीदवारों के साथ बैठक की। उन्होंने यह भी कहा कि अगले सात से आठ दिनों में वह सभी विधायकों से मुलाकात करेंगे।

सुरजेवाला ने कहा, ''हम विधायकों और सांसदों से मिल रहे हैं। हम अपने विधायकों से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में क्या काम किया है। उनके कामकाज की समीक्षा करना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''अगर मैं एक विधायक हूं, तो मैं यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य हूं कि लोगों के प्रति मेरी जवाबदेही और मेरे निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के चुनावी वादे पूरे हों। इसलिए, मैं अपने विधायकों से अपना रिपोर्ट कार्ड देने के लिए कह रहा हूं।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि विधायकों से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, विधानसभा कांग्रेस कमेटी की स्थिति और समय-समय पर उनकी पार्टी बैठकों की संख्या के बारे में भी पूछा जाएगा। उन्होंने बताया, ''हम उनसे (विधायकों से) यह भी पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या कठिनाई पेश आ रही है या उनकी क्या आकांक्षा है। हर विधायक की कुछ आकांक्षाएं होती हैं या निर्वाचन क्षेत्र में कुछ और काम करने होते हैं।'' सुरजेवाला ने कहा कि उनकी अकांक्षाओं से सरकार को अवगत कराया जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर जो भी सबसे अच्छा किया जा सकता है, वो किया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वह विधायकों के बाद मंत्रियों से मिलेंगे और समझेंगे कि उन्होंने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में क्या किया है। वर्ष 2023 में जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी थी, तो ऐसी अटकलें थीं कि सिद्दरामय्या और डीके शिवकुमार ढाई-ढाई साल के लिए राज्य का नेतृत्व करेंगे। हालांकि, ऐसे दावों (बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाए जाने) की पार्टी ने न तो पुष्टि की है और न ही इसे खारिज किया है। वर्तमान में सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री हैं और शिवकुमार उप मुख्यमंत्री हैं।

कैट प्रथम दृष्टया आरसीबी को दोषी माना

बेंगलूरु। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिये मंगलवार को प्रथम दृष्टया रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु को जिम्मेदार पाया। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद टीम द्वारा विधान सौधा से विजय परेड और स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ जश्न के कार्यक्रम की घोषणा के बाद स्टेडियम के पास एमजी रोड और कब्बन रोड इलाकों में लगभग ढाई लाख प्रशंसक उमड़ पड़े थे।

कैट ने कहा, ''इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए आरसीबी जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली।'' कैट ने अपने अवलोकन में कहा, ''अचानक उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके परिणामस्वरूप लोग एकत्र हो गए।'' आरसीबी ने चार जून की सुबह की परेड और प्रशंसकों के कार्यक्रम के बारे में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था और न्यायाधिकरण ने पाया कि पुलिस विभाग के पास इतने कम समय में इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

कैट ने कहा, ''4 जून को समय की कमी के कारण, पुलिस उचित व्यवस्था करने में असमर्थ थी। पुलिस को पर्याप्त समय नहीं दिया गया।

मैं भाग्यशाली हूं, इसलिए मुख्यमंत्री बना : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि वह भाग्यशाली हैं और इसलिए वह इस पद पर हैं। आलंद से कांग्रेस विधायक बी आर पाटिल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, ''हां, मैं भाग्यशाली हूं। इसलिए मैं मुख्यमंत्री बना।''

आवास मंत्री बी जेड ज़मीर अहमद खान से नाराज चल रहे पाटिल ने मंगलवार को कहा कि सिद्दरामय्या भाग्यशाली हैं। पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं उन आठ विधायकों में से था, जिन्होंने जनता दल (एस) छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा था। इनमें से कुछ विधायक हैं और कुछ अन्य मंत्री बन गए हैं। हमारे बीच सिद्दरामय्या भाग्यशाली हैं, क्योंकि वह मुख्यमंत्री बन गए।'' पाटिल ने यह भी कहा कि उन्होंने कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ 45 मिनट तक बातचीत की, जो कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी हैं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक पाटिल ने हाल ही में आरोप लगाया था कि उनके निर्वाचन क्षेत्र आलंद में गरीबों के लिए आवास आवंटन में भ्रष्टाचार हुआ है। खान ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आवंटन पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। पाटिल के बयान के तुरंत बाद, कांग्रेस के दो और विधायकों राजू कागे और बेलूर गोपाल कृष्ण ने भी अपनी ही सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। सुरजेवाला बेंगलूरु में हैं और विधायकों की समस्याओं को समझने के लिए उनसे बात कर रहे हैं।

बेंगलूरु भगदड़

कैट ने आईपीएस अधिकारी विकास कुमार विकास के निलंबन आदेश को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी विकास कुमार विकास के खिलाफ कर्नाटक सरकार के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया है, जिन पर पिछले महीने यहां हुई भीषण भगदड़ के मद्देनजर कार्रवाई की गई थी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संवाददाताओं से कहा कि कैट के आदेश के खिलाफ अपील का विकल्प उपलब्ध है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने चार जून को मची भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी। मामले में योजना और भीड़ प्रबंधन को लेकर तीखी आलोचना हुई थी। विकास ने सरकार के पांच जून के निलंबन आदेश को न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी थी, जिसमें तत्कालीन बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शेखर एच टेक्कन्नावर के नाम भी शामिल थे।

न्यायाधिकरण की बेंगलूरु पीठ में न्यायमूर्ति बी के श्रीवास्तव और प्रशासनिक सदस्य संतोष मेहरा शामिल थे। पीठ ने 24 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को इसने विकास के निलंबन को रद्द कर दिया। विकास के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता ध्यान चिनप्पा ने कहा, न्यायाधिकरण ने याचिका को स्वीकार कर लिया और निलंबन को रद्द कर दिया। न्यायाधिकरण ने कहा है कि वह सेवा नियमों के अनुसार सभी लाभों के हकदार हैं। न्यायाधिकरण ने यह भी कहा कि उसके निष्कर्षों को दयानंद और टेक्कन्नावर के मामलों में भी लागू किया जा सकता है, जिससे उनकी संभावित बहाली का रास्ता खुल सकता है।

पीठ ने कहा, '...इस न्यायाधिकरण का मानना है कि आदेश यांत्रिक तरीके से पारित किया गया और आदेश तथ्यों पर आधारित नहीं था। पुलिस अधिकारियों को बिना किसी प्रमाण या आधार के निलंबित कर दिया गया। इसलिए, उपरोक्त आदेश रद्द किए जाने योग्य है।' इसके बाद पीठ ने सरकार को याचिकाकर्ता को तत्काल बहाल करने का निर्देश दिया तथा कहा कि निलंबन की अवधि को पूर्ण वेतन और भत्ते के साथ ड्यूटी के रूप में माना जाएगा। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि वह आदेश की समीक्षा करेंगे और आगे की कानूनी कार्रवाई के संबंध में मुख्यमंत्री से परामर्श करेंगे, क्योंकि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) मुख्यमंत्री के अधीन आता है।

इस बीच, नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा कि आईपीएस अधिकारी विकास कुमार का निलंबन रद्द करने का कैट का आदेश सिद्दरामय्या सरकार के मुंह पर 'तमाचा' है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह आदेश सिर्फ एक अधिकारी के बारे में नहीं है, यह उजागर करता है कि कैसे कांग्रेस सरकार ने पुलिस विभाग को बलि का बकरा बनाने की कोशिश की और बेंगलूरु भगदड़ त्रासदी में अपने आपराधिक कुप्रबंधन को छिपाने के लिए ईमानदार अधिकारियों पर दोष मढ़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त दयानंद जैसे शीर्ष पुलिस अधिकारियों के निलंबन की भी अब समीक्षा की जा रही है।

अशोक ने दावा किया कि भाजपा शुरू से ही सही कह रही थी कि यह पुलिस कार्रवाई नहीं बल्कि सरकारी कुप्रबंधन था जिसके कारण चिन्नास्वामी स्टेडियम में निर्दोष लोगों की जान गई। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के हाथों पर 11 कन्नड़ लोगों का खून लगा है।

घटना के बाद, मुख्यमंत्री ने बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद, स्टेडियम के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास, केंद्रीय संभाग के पुलिस उपायुक्त शेखर एच टेक्कन्नावर, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सी. बालकृष्ण और कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के सर्किल निरीक्षक ए. के. गिरीश को निलंबित करने की घोषणा की थी। सरकार ने तीनों आईपीएस अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के तहत निलंबित कर दिया था, जबकि एसीपी और सर्किल निरीक्षक के खिलाफ कर्नाटक राज्य पुलिस (अनुशासनात्मक कार्यवाही) नियम, 1965 के तहत कार्रवाई की गई थी। निलंबन आदेश के अनुसार, आरसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने तीन जून को बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त को चार जून को विजय परेड और कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में सूचित किया था। हालांकि, पुलिस आयुक्त का कार्यालय आयोजकों को लिखित जवाब देने में विफल रहा और समय की कमी के आधार पर अनुमति देने से इनकार कर दिया।

इसमें कहा गया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और क्रिकेट एसोसिएशन ने जश्न के बारे में ट्वीट किया और टिकट या पास जारी करने की सामान्य प्रक्रिया से गुजरे बिना प्रशंसकों को चिन्नास्वामी स्टेडियम में आमंत्रित किया। पुलिस द्वारा घटनाक्रम और क्रिकेट प्रशंसकों की भारी भीड़ की संभावना के बारे में पता होने के बावजूद, स्टेडियम में कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने या लोगों को उनकी सुरक्षा की खातिर आवश्यक सावधानी बरतने के लिए पर्याप्त जानकारी देने या उचित भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के लिए कदम नहीं उठाए गए।

विक्टोरिया अस्पताल में मामूली आग, 6 मरीजों को दूसरे वार्ड में ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सरकारी विक्टोरिया अस्पताल के बर्न वार्ड के सभागार कक्ष में मंगलवार तड़के मामूली आग लग गई, जिसके बाद 26 मरीजों को दूसरे वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, आग तड़के करीब तीन बजे लगी। उन्होंने कहा कि इमारत की पहली मंजिल पर वार्ड से सटे सभागार कक्ष में बिजली के स्विच बोर्ड के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है। ड्यूटी पर मौजूद एक रेजिडेंट डॉक्टर ने आग देखी और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। दमकल विभाग के कर्मियों ने आकर आग बुझाई।

बेंगलूरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के डीन और निदेशक रमेश कृष्ण के. ने एक बयान में कहा कि घटना के समय बर्न वार्ड में 14 पुरुष, पांच महिलाएं और सात बच्चों सहित 26 मरीज थे। इनमें से पांच मरीज आईसीयू में थे। उन्होंने कहा, 'धुएं को देखते हुए और एहतियाती उपाय के तौर पर, हमने सभी 26 मरीजों को इस वार्ड से विक्टोरिया अस्पताल के एच ब्लॉक में स्थानांतरित कर दिया है। सभी मरीज, परिचारक, डॉक्टर और अस्पताल कर्मचारी सुरक्षित हैं और स्थिति नियंत्रण में है।'

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर कोई बातचीत नहीं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई है और उन्होंने राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और पार्टी की सरकार के हाथ मजबूत करने पर जोर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने पार्टी नेताओं और विधायकों से नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर मीडिया से बात नहीं करने को कहा। उन्होंने कहा कि रामनगर के विधायक एच.ए. इकबाल हुसैन को नोटिस जारी किया जाएगा, जो यह बयान दे रहे हैं कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

हुसैन और एच.सी. बालकृष्ण (मगदी) सहित कुछ पार्टी विधायकों के इस दावे के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर से शुरू हो गई हैं कि इस साल के अंत में शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं को बताया, बयानबाजी हो रही है। हम पार्टी में अनुशासन चाहते हैं। अनुशासन जरूरी है। नेतृत्व परिवर्तन का कोई मुद्दा नहीं है। इस पर कोई चर्चा या कुछ नहीं हो रहा है। कोई जल्दबाजी में नहीं है, 2028 हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं इकबाल हुसैन को नोटिस जारी करूंगा। आज या कल, मैं उन्हें नोटिस जारी करूंगा। मैं यह भी नहीं चाहता कि बालकृष्ण मेरे पक्ष में बोलें...। हुसैन ने दावा किया है कि शिवकुमार के पास दो से तीन महीने में मुख्यमंत्री बनने का मौका है।

शिवकुमार ने कहा कि पार्टी के किसी भी नेता या विधायक को ऐसे मामलों पर मीडिया से बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, किसी को भी प्रेस के सामने नहीं जाना चाहिए। मैं यह कह रहा हूं, प्रेस के सामने नहीं जाना चाहिए। मैं यह कह रहा हूं, चाहे वह इकबाल हुसैन हों या बी आर पाटिल या बालकृष्ण या कोई और, इसकी कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री हैं, उनके और सरकार के हाथ मजबूत करना ही एकमात्र लक्ष्य है।

राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया गया है। लेकिन पार्टी हाईकमान के कड़े निर्देशों के बाद ऐसी चर्चाएं कुछ समय के लिए थम गयी थीं। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही तथा उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया।

उस समय कुछ खबरें थीं कि क्रमिक मुख्यमंत्री फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया है, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट आठ लोगों की मौत

विरुधुनगर। तमिलनाडु के शिवकाशी स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में मंगलवार सुबह हुए धमाके में दो महिलाओं सहित कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा की है। पुलिस ने बताया कि धमाके के बाद फैक्टरी में भीषण आग लग गई और कई लोग घायल हो गए।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना संख्या 03-सीडब्ल्यूएस-एमवाईएसएस -2025-26 दिनांक 26.06.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
आईसीएफ बोगियों की स्ट्रिपिंग, स्क्रैपिंग,सफाई, पेंटिंग और इसके घटकों और व्हील सेटों के लिए आउटसोर्सिंग।	रू. 1,20,01,250.70/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 18.07.2025 को 15.30 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, मैसूर दक्षिण
PUB/238/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना संख्या 05-सीडब्ल्यूएस-एमवाईएसएस -2025-26 दिनांक 26.06.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
एलएचबी-एनएसी कोचों में कोच शौचालयों का उन्नयन	रू. 42,24,07,317.96/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 18.07.2025 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, मैसूर दक्षिण
PUB/237/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने के मामलों में वृद्धि की जांच करेगी राज्य सरकार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने के बढ़ते मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञों से एक अध्ययन करवाने का आदेश दिया है। सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर मंत्री ने कहा कि हासन जिले में एक माह के भीतर दिल का दौरा पड़ने के आए 18 मामलों को स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से लिया है।

उन्होंने कहा, ''मैंने पहले ही विभाग के अधिकारियों को 'जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च' के निदेशक के नेतृत्व में दिल का दौरा पड़ने के बढ़ते मामलों की विशेषज्ञों द्वारा जांच करवाने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।'' राव के अनुसार राज्य सरकार ने हृदयाघात के मामलों को रोकने के लिए पुनीत राजकुमार हृदय ज्योति' योजना शुरू की है। लेकिन, हाल में युवाओं में दिल का दौरा पड़ने के बढ़ते मामलों पर गहराई से शोध करने की जरूरत है।

हालांकि, बदलती जीवनशैली, खानपान और गैर-संचारी बीमारियों को दिल की समस्याओं का कारण माना जाता है, लेकिन हासन में सामने आए मामलों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसका समाधान तलाशने के लिए, विशेषज्ञों की एक टीम को शोध करने और 10 दिन के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने कर्नाटक में बाघों की मौत पर रिपोर्ट मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने पिछले साढ़े पांच वर्षों में राज्य भर में बाघों की मौत पर 10 दिनों के भीतर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिए। मीडिया पर आई खबरों में दावा किया गया है कि कर्नाटक में पिछले साढ़े पांच वर्षों के दौरान 82 बाघों की मौत हुई है और इस दावे पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए मंत्री ने यह निर्देश जारी किए हैं।

खांड्रे ने अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) को प्रत्येक मौत की जांच करने का निर्देश दिया है। इस जांच से यह स्पष्ट किया जाएगा कि कितनी मौतें प्राकृतिक कारणों से हुई जबकि कितने बाघों की मौत अप्राकृतिक परिस्थितियों के कारण हुईं। जांच में मौत के कारणों की असल स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मंत्री ने यह भी जानना चाहा है कि बाघों की अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों में क्या कोई जांच की गई और इस संबंध में क्या कोई रिपोर्ट प्राप्त हुई।

मंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''खांड्रे ने अधिकारियों से यह भी रिपोर्ट देने को कहा है कि क्या इनमें से किसी बाघ की मौत के बाद उसके शरीर के पंजे या अन्य अंगों को विकृत किया गया था और क्या लापरवाही के मामले में कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई थी?'' उन्होंने बाघों की हत्या और शिकार के मामलों में अब तक गिरफ्तार और दोषी ठहराए गए लोगों की संख्या के बारे में भी जानकारी मांगी। इसके अलावा, मंत्री ने बाघों की हत्या से संबंधित चल रही जांच और देरी के कारणों का विवरण भी मांगा। पिछले महीने चामराजनगर जिले के काउडल्ली रेंज के रामपुरा-मारतल्ली सीमा पर एक तेंदुए के कथित शिकार की रिपोर्ट के बाद, मंत्री ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

राजस्थान में मूसलधार बारिश से कई जिले जलमग्न, जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर/अलवर। राजस्थान में मानसून ने इस बार जोरदार दस्तक दी है, जिससे जहां एक ओर किसानों को राहत मिली है, वहीं शहरी इलाकों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। धौलपुर, अलवर और कोटपुतली-बहरोड़ में तेज बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई जगहों पर घरों, दुकानों और सरकारी भवनों में पानी घुस गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। धौलपुर में हुई तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। जगन टॉकीज, हरदेव नगर, कोर्ट परिषद और बाड़ी रोड जैसे प्रमुख क्षेत्र पानी में डूब गए। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बरसात में यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन स्थायी समाधान नहीं कर रहा। दुकानों में पानी घुसने से कारोबार ठप हो गया और स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर ऑफिस जाने वालों तक को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से पानी सीधे घरों और दुकानों में घुस गया।

अलवर में सुबह 6:30 बजे शुरू हुई मूसलधार बारिश ने 9 बजे तक शहर में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। होप सर्कस, घंटाघर, सराफा बाजार, अशोक टॉकीज, बस स्टैंड और एसएमडी चौराहे समेत शहर के अधिकांश हिस्से जलमग्न हो गए। दुकानों और घरों में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ।

चूड़ी मार्केट और अन्य बाजारों में व्यापार पूरी तरह ठप हो गया। कच्ची बस्तियों में झोंपड़ियों की छतें टपकने लगीं और घरों में रखा सामान भीग गया। एसएमडी चौराहे पर नाले के ऊपर लगे जाल में कचरा फंसने से पानी का बहाव रुक गया, जिससे आसपास के घरों में पानी भर गया। इसी तरह कोटपुतली-बहरोड़ क्षेत्र में मंगलवार सुबह से बारिश का दौर जारी है।

तेज बारिश के बीच आसमान में घने बादल छाए रहे। किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है क्योंकि इससे खेतों को अच्छी नमी मिलेगी और फसलों को फायदा होगा। हालांकि लगातार बारिश से कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी है, जिससे स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

झुंझुनू में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कमरे की छत गिरी

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के कमरे की छत का एक हिस्सा सोमवार को गिर गया। इस हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले के खेतड़ी उपखंड के जसरापुर गांव में हुई। इस घटना के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों को जीर्ण-शीर्ण इमारत के बाहर काम करना पड़ रहा है, जहां वे खुले में मरीजों को देख रहे हैं। इस घटना से पीएचसी के कर्मचारियों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

उन्होंने कहा कि पीएचसी की इमारत लंबे समय से दयनीय स्थिति में है फिर भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण वहीं से स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। पीएचसी की प्रभारी डॉ. अनीता ने कहा, एक कमरे की छत गिरी और तेज धमाके जैसी आवाज हुई। हादसे के समय कमरे के अंदर कोई नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

उन्होंने कहा कि इमारत की हालत के बारे में उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। पीएचसी के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने कहा कि इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और कभी भी पूरी तरह से ढह सकती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए या भवन की तत्काल मरम्मत की जाए।

कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा को देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने मंगलवार को यहां राजस्थान विधानसभा का अवलोकन किया। राजस्थान विधानसभा की सहचर समिति के अधिकारियों के साथ शिष्टाचार बैठक में दोनों राज्यों की विधायी कार्यप्रणालियों एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के साहित्यों का आदान-प्रदान किया गया। बैठक के दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नेतृत्व में किये जा रहे नवाचार योजनाओं, प्रशासनिक संरचना, डिजिटलाइजेशन, संसदीय प्रशिक्षण, शोध एवं अभिलेखन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

विधायकों एवं अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए अपनाई गई कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के सदस्य डी जी शांतनगौड़ा, एम. के. कृष्णप्पा, टी.एस.श्रीवत्सव, ए. किरणकुमार कोडगी, सी. के. राममूर्ति, विठ्ठल सोमन्ना हलगेकर का राजस्थान विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के उप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा ने स्वागत किया। कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान समिति के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान विधानसभा द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्पद है।

कर्नाटक विधानसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा के डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया जहां उन्हें राजस्थान की समृद्ध संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक विकास यात्रा एवं विधानसभा की कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

समिति ने म्यूजियम में प्रदर्शित दृश्य-श्रव्य सामग्रियों में विशेष रुचि दिखाई। समिति ने राजस्थान विधानसभा के मुख्य सदन कक्ष का भी अवलोकन किया जहां उन्हें सदन की संरचना, कार्यप्रणाली तथा राजस्थान के संसदीय इतिहास के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया।

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाना ही राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय : श्रेया गुहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती श्रेया गुहा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थिति कॉफ्रेंस हॉल में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की एम्पावरमेंट कमेटी की 20 वीं बैठक का आयोजन किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग ने बताया कि राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है और इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यह परिषद स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और आजीविका संवर्धन का कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि राजीविका का मुख्य कार्य स्वयं सहायता समूह का गठन व सशक्तिकरण, ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देना, वित्तीय सहायता, विपणन सुविधा उपलब्ध कराना, विभिन्न आजीविका गतिविधियों जैसे हस्तशिल्प, कृषि, पशुपालन आदि को बढ़ावा देना और स्वयं सहायता समूह को वित्तीय संस्थाओं से ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है। राज्य मिशन निदेशक आजीविका परियोजनाएं एवं स्वयं सहायता समूह श्रीमती नेहा गिरी ने बताया कि सोलर दीदी भारत सरकार के वर्ष 2030 तक नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में राजस्थान सरकार द्वारा नवीन पहल के तहत सोलर दीदी कैडर का गठन किया गया है। सोलर दीदी कैडर का प्रारंभ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं महिला उद्यमिता को सशक्त करने के उद्देश्य से किया गया है।

बैठक में पिछली 19 वीं बैठक की कार्यवाही को स्वीकृति दी गई और कार्यवाही स्थिति की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं की प्रगति की एवं नए वित्तीय वर्ष की घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 की घोषणाओं में सोलर दीदी, राजस्थान महिला निधी, समावेषी आजीविका योजना की समीक्षा की गई साथ ही लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी और पशु सखी को प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर बेस्ट पर्फोमेंस वाली 10 दीदियों को टेबलेट दिये जाने की भी समीक्षा की गई। बजट घोषणा 3 लाख लखपति दीदियों को 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का लोन दिये जाने की भी समीक्षा की गई।

बैठक में आयुक्त मनरेगा श्रीमती पुष्पा सत्यानी, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, आयुक्त श्रम विभाग श्रीमती पूजा कुमारी पार्थ, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन सुसलोनी खेमका, प्रोजेक्ट निदेशक (प्रशासन) राजीविका श्रीमती प्रीति सिंह सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला पर तलवार से हमला, मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला की तलवार से निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना कलिंजरा कस्बे में हुई और सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस आरोपी महिपाल बागोरा की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, हमलावर एक कार में आया और महिला पर तलवार से कई बार वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी अपने वाहन को पास में छोड़कर पैदल ही भाग गया। राहगीरों ने पीड़िता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला की पहचान लीला ताबियार (36) के रूप में हुई है। बांसवाड़ा के पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन ने बताया, महिला शिक्षिका है। उसके कथित पूर्व प्रेमी महिपाल बागोरा ने उस पर तलवार से हमला किया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' उन्होंने कहा, हमने आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई कार को जब्त कर लिया है और उसकी पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं।

रैली

जयपुर में राष्ट्रीय पशुपालक संघ के गठन के लिए 'महा बहिष्कार रैली' के दौरान खानाबदोश, अर्ध-खानाबदोश और विमुक्त जनजातियों (डीएनटी) के सदस्य।

बाघिन ने दिए पांच शावकों को जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश में पहली बार किसी बाघिन ने एक साथ पांच शावकों को जन्म दिया है। यह ऐतिहासिक क्षण जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में दर्ज हुआ है, जहां बाघिन रानी ने तीन नर और दो मादा शावकों को जन्म दिया। दो महीने की निगरानी और देखरेख के बाद अब इन नन्हे शावकों को मां रानी के साथ कराल में छोड़ दिया गया है। पर्यटक अब मानसून के मौसम में रानी और उसके शावकों का दीदार कर सकेंगे। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि रानी ने 27 अप्रैल को इन शावकों को जन्म दिया था। इसके बाद से ही सभी को विशेष निगरानी में रखा गया था। अब दो महीने पूरे होने पर इन्हें कराल में लाया गया है, जहां ये प्राकृतिक वातावरण में मां के साथ समय बिता रहे हैं।

डॉ. माथुर ने बताया कि पांचों शावकों को बीमारियों से बचाने के लिए पहले टीके लगाए गए और फिर जेंडर की पहचान की गई। इनमें से दो शावक सफेद और गोल्डन मेल हैं, जबकि दो अन्य गोल्डन शावक फीमेल हैं।

अब अगस्त में इन्हें बूस्टर डोज भी दी जाएगी। रानी और उसके पांचों शावकों को कराल में छोड़ने के बाद अब ये पहली बार पिंजरे से बाहर खुले में नजर आए हैं। मानसून की फुहारों में मिट्टी में खेलते और मां के साथ उछलते-कूदते शावक अब नाहरगढ़ पार्क के मुख्य आकर्षण बनते जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा इन पर विशेष निगरानी भी रखी जा रही है।

रबाघिन रानी ने पिछले साल 10 मई 2024 को भी तीन शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से एक की मौत हो गई थी। शेष दो शावक अभी भी स्वस्थ हैं और पर्यटकों के बीच खासे लोकप्रिय हैं। इस साल अप्रैल में हुए पांच शावकों के जन्म के साथ अब रानी के कुल शावकों की संख्या आठ हो गई है। गर्भावस्था के दौरान रानी को गर्मी से बचाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। पिंजरे के पास कूलर और टाट की मोटी परतें लगाई गईं, साथ ही विशेष आहार भी दिया गया। स्टाफ ने शावकों के जन्म के बाद दो महीने तक सतत निगरानी रखी, जिससे सभी बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ और सक्रिय हैं।

कनिष्ठ अभियंता एवं तकनीकी सहायक 60 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के एक कनिष्ठ अभियंता एवं एक तकनीकी सहायक को एक मामले में 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय को परिवादी ने शिकायत की कि उसके धर्म भाई के मकान में बिजली कनेक्शन के लिए निगम के कार्यालय कनिष्ठ अभियंता बड़ के बालाजी के लाईनमेन सुरेश बैरवा द्वारा बिजली कनेक्शन करने की एवज में 70 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है।

पाकिस्तानी जोड़े का भारत में बसने का सपना टूटा, तेज गर्मी और प्यास से हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। भारत में नयी ज़िंदगी शुरू करने के लिए उत्सुक पाकिस्तान के एक नाबालिग जोड़े को भारतीय वीज़ा हासिल करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा जिसके बाद वे पैदल ही थार रेगिस्तान से होकर जाने वाली सीमा पार करने के लिए निकल पड़े लेकिन अफसोस की बात यह रही कि तेज गर्मी और प्यास के कारण रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कठोर परिस्थितियों का सामना करते हुए नाबालिग जोड़ा 17 वर्षीय लड़का और 15 वर्षीय लड़की जैसलमेर में प्रवेश करने में तो सफल हो गए लेकिन भीषण गर्मी उनके लिए जानलेवा साबित हुई। एक स्थानीय कार्यकर्ता के अनुसार तेज गर्मी और शरीर में पानी की कमी के कारण उनकी मौत हो गई। 28 जून को तनोट क्षेत्र में उनके क्षतविक्षत शव पाए गए। पुलिस अधीक्षक चौधरी ने बताया कि लड़के का शव एक पेड़ के नीचे मिला। उसने आसमानी नीले रंग का सलवार कुर्ता पहना हुआ था। शव के पास एक पीला स्कार्फ और एक मोबाइल फोन भी मिला है, साथ ही उसके चेहरे के पास एक खाली कैन भी मिली है, जिसमें संभवतः पहले पानी भरा रहा होगा।

उन्होंने बताया कि करीब 50 फुट दूर पुलिस को लड़की का शव मिला, जो पीले रंग का घाघरा-कुर्ता और लाल-सफेद चूड़ियां पहने हुए थी। दोनों शव मुंह के बल पड़े थे और इस हद तक क्षत विक्षत हो चुके थे कि उनकी पहचान संभव नहीं थी। शवों के पास से पाकिस्तानी पहचान पत्र बरामद किए गए। भारत में पाकिस्तानी अल्पसंख्यक प्रवासियों के अधिकारों की पैरोकारी करने वाले संगठन 'सीमांत लोक संगठन' के जिला समन्वयक दिलीप सिंह सोढ़ा के अनुसार, लड़का पाकिस्तान के सिंध प्रांत का रहने वाला था और उसने करीब डेढ़ साल पहले भारत के लिए तीर्थयात्रा वीजा के लिए आवेदन किया था।

सोढ़ा ने कहा कि जब लड़के को भारतीय वीजा मिलने की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं तो उसने अपनी पत्नी के साथ सीमा पार जाने का फैसला किया। सोढ़ा ने कहा, वह भारत में रहना चाहता था। वह किसी तरह भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया लेकिन दुर्भाग्य से उसकी मौत हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया पर पहचान पत्रों का विवरण प्रसारित किया और जैसलमेर में लड़के के रिश्तेदारों से संपर्क किया, जिन्होंने उसकी पहचान की पुष्टि की।

दोनों की कठिन यात्रा का विवरण साझा करते हुए सोढ़ा ने कहा कि उनके रिश्तेदारों के अनुसार, लड़के की बाइक सीमा से लगभग 20 किमी दूर मिली थी, और उनके शव भारत के अंदर सीमा से लगभग 12-13 किमी दूर पाए गए थे। जैसलमेर के क्षेत्राधिकारी रूप सिंह इंदा ने बताया कि पुलिस ने जैसलमेर स्थित स्थानीय विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) से लड़के के वीजा आवेदन के बारे में जानकारी मांगी है। इंदा ने कहा, हमें अभी तक इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित

जयपुर/दक्षिण भारत। अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा रही विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राज्य सरकार एवं गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति

के बीच हुए समझौतों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की अगुवाई में सम्पन्न हुई इस बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के निस्तारण, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, देवनारायण योजना की प्रगति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं पर सकारात्मक चर्चा की गयी। समिति द्वारा सम्बंधित विभागों को इस सम्बन्ध में 15 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए तथा आंदोलन समिति द्वारा नामित प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्रीमती अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर ए. सावंत सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देश की करोड़ों महिलाओं के लिए आदर्श हैं राष्ट्रपति मुर्मू : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'करोड़ों भारतीय महिलाओं के लिए प्रेरणा' और 'शून्य से शिखर' तक की यात्रा का प्रतीक बताते हुए मंगलवार को कहा कि उनका जीवन दर्शाता है कि कैसे दृढ़ संकल्प और राष्ट्र-प्रथम की भावना के साथ हम प्रतिकूल परिस्थितियों से ऊपर उठ सकते हैं।

राष्ट्रपति द्वारा गोरखपुर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नई शैक्षणिक सुविधाओं का उद्घाटन और एक बालिका छात्रावास की आधारशिला रखे जाने के अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति जी देश की कोटि-कोटि मातृशक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। फर्श से अर्श की यात्रा, शून्य से शिखर की यात्रा कैसे होती है, वह उसकी एक विशिष्ट पहचान हैं। आदित्यनाथ ने कहा, देश के लिए संघर्षों से जिन्होंने अपना रास्ता तैयार किया हो, विपरीत परिस्थितियों और आपदाओं का सामना करते हुए भी अपने स्वयं के संकट को कभी प्रगति के मार्ग में बाधा न मानते हुए उन्होंने हमेशा राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ पूरा जीवन समाज के वंचित तबकों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति जी का गोरखपुर के दो दिन प्रवास और उनका जो विशेष सानिध्य गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुआ, उसका आभार व्यक्त करते हुए हृदय से उनका स्वागत करता हूं।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की दो दिवसीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति की सराहना करते हुए कहा, राष्ट्रपति जी जमीनी स्तर से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक की यात्रा का प्रतीक हैं। उनका जीवन दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिकूल परिस्थितियों पर काबू पाने और राष्ट्र और वंचितों के कल्याण के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने का एक जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के बावजूद गोरखपुर में राष्ट्रपति का कार्यक्रम शिक्षा, सार्वजनिक सेवा और युवा सशक्तीकरण के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति आज प्रातः काल से ही आयुष विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में और इस दौरान छात्र-छात्राओं के साथ जगह-जगह सड़कों पर नजर आयीं। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत का कोई संवैधानिक प्रमुख सड़क पर छात्रों का अभिवादन करता हुआ बच्चों के साथ जाकर उनके साथ संवाद करे। वह अभिभूत करने वाला क्षण था। कवि रामधारी सिंह दिनकर को उद्धृत करते हुए, आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति की अथक भावना की तुलना एक सच्चे राष्ट्रीय नेता से की।

देश में रेल किराया बढ़ाना आम जनहित के खिलाफ : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने देश में रेल के किराये में वृद्धि को आम जनहित के खिलाफ करार देते हुए मंगलवार को कहा कि यह फैसला संविधान के कल्याणकारी उद्देश्य के बजाय केंद्र सरकार की व्यावसायिक सोच को दर्शाता है।

मायावती ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''जैसा कि विदित है कि जब देश की अधिकांश जनता अत्यधिक महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी एवं आय में कमी के कारण रोजमर्रा की भूख-प्यास से त्रस्त एवं दुखी है। तो ऐसी स्थिति में केंद्र द्वारा देश में रेल किराये में की गई वृद्धि आम जनता के हित के विरुद्ध लिया गया निर्णय प्रतीत होता है।'' उन्होंने कहा कि यह संविधान के किसी कल्याणकारी उद्देश्य को पूरा करने के बजाय एक व्यापारिक सोच वाला निर्णय है।

रेल मंत्रालय ने एक जुलाई से मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में गैर-वातानुकूलित श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर और सभी वातानुकूलित श्रेणी में दो पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि की है।

बिहार मंत्रिमंडल ने सीतामढ़ी में मंदिर के विकास के लिए 882.87 करोड़ रुपए मंजूर किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने सीतामढ़ी जिले में स्थित हिंदू तीर्थ स्थल पुनौराधाम जानकी मंदिर के समग्र विकास के लिए 882 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि को मंगलवार को मंजूरी दे दी। सीतामढ़ी जिले को सीता का जन्मस्थान माना जाता है।

यह निर्णय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

कुमार ने मंत्रिमंडल की बैठक के तुरंत बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने हेतु भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं के निर्माण की योजना को आज कैबिनेट से मंजूरी दे दी गई है। आज कैबिनेट में पुनौराधाम के समग्र विकास के लिए तैयार की गई वृहद योजना के लिए 882 करोड़ 87 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।'' मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत राज्य पर्यटन विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, पुराने पुनौराधाम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार पर करीब 137 करोड़ रुपए और मंदिर के आसपास पर्यटक आधारभूत संरचना के विकास पर 728 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। शेष राशि दस वर्षों तक आधारभूत संरचना के रखरखाव पर खर्च की जाएगी।

मुख्यमंत्री कुमार ने कहा, ''इस योजना का जल्द ही कार्यारंभ कर दिया जाएगा। मैंने अगस्त महीने तक इसका शिलान्यास कराने का निर्देश दिया है। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने हेतु कृतसंकल्पित हैं। इसका श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या की तर्ज पर समग्र विकास किया जाएगा। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण सभी देशवासियों के लिए तथा विशेष रूप से हम सभी बिहारवासियों के लिए सौभाग्य एवं गर्व की बात है।''

वृक्ष केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के रक्षक भी हैं : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को राज्य सरकार द्वारा आयोजित वन महोत्सव 2025'' के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' वृहद पौधा रोपण अभियान की शुरुआत की और कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के रक्षक भी हैं।

राजभवन से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अतिथि गृह प्रांगण में पटेल ने रुद्राक्ष तथा लाल चंदन के पौधों का रोपण कर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों के अद्वितीय समन्वय का संदेश दिया। इस मौके पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा, ''वृक्ष केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के भी रक्षक हैं।'' उन्होंने कहा,'''एक पेड़ मां के नाम' अभियान, प्रकृति और मातृत्व दोनों के प्रति हमारी श्रद्धा को अभिव्यक्त करता है।'' उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि एक ही प्रजाति के पौधों को एक स्थान पर रोपित किया जाए, जिससे उनका वैज्ञानिक और सौंदर्यात्मक विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि राज्यपाल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय द्वारा मियावाकी वन तथा चंदन वाटिका की स्थापना की जा रही है, जो पर्यावरणीय चेतना के प्रसार में सहायक सिद्ध होंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गोरखपुर में लगाया पौधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 'वन महोत्सव-2025' की शुरुआत करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा रोपा। राष्ट्रपति ने पौधों के संरक्षण पर भी जोर दिया। 'वन महोत्सव-2025' एक से सात जुलाई तक चलेगा।

लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने वहां आयुष विश्वविद्यालय में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करने के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। वन महोत्सव के अंतर्गत ही वन, पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने लखनऊ के कुकरैल में त्रिवेणी वन (बरगद, नीम और पीपल) की स्थापना की। उन्होंने यहां ओपन जिम का उद्घाटन, योग ध्यान केंद्र का शुभारंभ व भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण का मनमाना फैसला वापस लेना चाहिए : दीपांकर भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अपने स्पष्टीकरण से और भी भ्रम पैदा कर रहा है, जबकि इसे इस मनमाने निर्णय को वापस लेना चाहिए।

भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के सामान्य रूप से अद्यतन करने के आधार पर चुनाव कराना चाहिए जैसा कि पिछले दो दशकों के दौरान हर चुनाव में किया गया है। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को कहा था कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत है क्योंकि ये कई कारणों से बदलती रहती हैं और संविधान में प्रावधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो नहीं हैं, वो वोट नहीं दे सकें। आयोग ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब कई विपक्षी दलों ने कहा है कि गहन पुनरीक्षण के कारण राज्य मशीनरी का उपयोग करके बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा है। भट्टाचार्य ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ईसीआई बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में जितना अधिक स्पष्टीकरण देना चाहता है, उतना ही अधिक भ्रमित और गुमराह होता जाता है। उन्होंने सवाल किया कि अब यह कहकर एसआईआर को मामूली विषय बनाने की कोशिश क्यों की जा रही है कि नामावली को सालाना संशोधित किया जाता है? वामपंथी नेता ने दावा किया, केवल नागरिक ही वोट देने के हकदार हैं, लेकिन भारत में पहले कभी भी मतदाताओं से अपनी नागरिकता साबित करने के लिए नहीं कहा गया था। अब प्रत्येक मतदाता पर संदेह किया जा रहा है और उन दस्तावेजों की मदद से अपनी नागरिकता साबित करने के लिए कहा जा रहा है जो भारत में बहुत सारे लोगों के पास अभी भी नहीं हैं। उन्होंने कहा, इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं देता है कि एसआईआर शुरू करने से पहले उसने किसी भी राजनीतिक दल के साथ पूर्व परामर्श क्यों नहीं किया?

आर्थिक अन्याय का हथियार बना जीएसटी : राहुल

संशोधन कर संघीय भावना के अनुकूल बनाने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू होने के आठ साल पूरा होने के मौके पर मंगलवार को आरोप लगाया कि यह आर्थिक अन्याय का एक हथियर बन गया है तथा इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मौजूदा जीएसटी प्रणाली में संशोधन की पैरवी की और कहा कि भारत एक ऐसी कर प्रणाली का हकदार है, जो केवल विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। जीएसटी को एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आठ साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है। यह आर्थिक अन्याय और कॉरपोरेट भाईचारे का एक बर्बर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति दोस्तों को लाभ पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।'' उन्होंने दावा किया कि ''अच्छे और सरल कर'' का वादा किया गया था, लेकिन भारत को पांच अलग-अलग दर वाली कर व्यवस्था मिली, जिसे 900 से अधिक बार संशोधित किया गया है। राहुल गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां तक कि पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके दायरे में आ गए।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ता एमएसएमई क्षेत्र को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना टैक्स छूट में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आनंद लेते हैं।'' उनके अनुसार, पेट्रोल और डीजल को जानबूझकर जीएसटी ढांचे से बाहर रखा गया है, जिससे किसानों, ट्रांसपोर्टरों और आम लोगों को नुकसान हो रहा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''गैर-भाजपा शासित राज्यों को दंडित करने के लिए जीएसटी बकाया को भी हथियार बनाया गया है, जो मोदी सरकार के संघवाद विरोधी एजेंडे का स्पष्ट प्रमाण है।''

उनका कहना था, ''जीएसटी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का एक दूरदर्शी विचार था, जिसका उद्देश्य भारत के बाजारों को एकजुट करना और कराधान को सरल बनाना था, लेकिन खराब कार्यान्वयन, राजनीतिक पूर्वाग्रह से इस मामले में धोखा दिया गया है। एक संशोधित जीएसटी लोगों के लिए सबसे पहले, व्यापार के अनुकूल और वास्तव में संघीय भावना वाला होना चाहिए।''

ओडिशा के बालासोर में बाढ़ की स्थिति गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में मंगलवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही और जिले के उत्तरी हिस्सों में लगभग 100 गांवों के लोग जलमग्न सड़कों और खेतों के कारण बेहाल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि हालिया भारी बारिश और झारखंड से पानी छोड़े जाने के कारण स्वर्णरेखा नदी में आई बाढ़ की वजह से भोगराई, बलियापाल, जलेश्वर और बस्ता प्रखंड के गांव प्रभावित हुए हैं।

बस्ता और बालासोर सदर ब्लॉक के कुछ गांव जलका नदी की बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि स्वर्णरेखा और जलका नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे घट रहा है, लेकिन बीते तीन दिनों से राजघाट और मथनी में यह खतरे के निशान के ऊपर या उसके आसपास प्रवाहित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि बालासोर कलेक्टर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस्ता, जलेश्वर, बलियापाल और भोगराई में मौजूदा बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे।

विज्ञप्ति में कहा गया कि अब तक सात प्रखंडों की 46 ग्राम पंचायतें/वार्ड बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सोमवार शाम तक 2,916 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर 17 राहत शिविरों में ठहराया गया है।

जाजपुर की जिलाधिकारी पी. अन्वेषा रेड्डी ने कहा, हम पूरी तरह सतर्क हैं और दशरथपुर, जाजपुर, बिंझरपुर और कोरई प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारी आवश्यक कार्य कर रहे हैं।

ओडिशा में गरीब लोगों को अधिक ऋण उपलब्ध कराएं निजी बैंक : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने प्रमुख निजी बैंकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत राज्य के गरीबों को दिए जाने वाले ऋण को बढ़ाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि माझी ने आईसीआईसीआई, एक्सिस और एचडीएफसी बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही और सुझाव दिया कि उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत गरीबों को अधिक ऋण उपलब्ध कराना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह सुझाव उस समय दिया, जब यह पता चला कि कृषि ऋण, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, पीएम स्वनिधि योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना, आवास ऋण, शिक्षा ऋण और निर्यात ऋण जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में इन बैंकों का प्रदर्शन बहुत खराब है। सूत्रों ने बताया कि खराब प्रदर्शन को देखते हुए राज्य सरकार ने 21 जून को इन बैंकों को अपनी पैनल सूची से हटा दिया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने निजी बैंकों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कई गरीब कल्याण योजनाओं को लागू कर रही है।

पटना हवाई अड्डे पर बम की धमकी

पटना/भाषा। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेपीएनआई) पर, ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है, हालांकि जांच के बाद यह धमकी फर्जी निकली। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पटना की नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य), दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कुछ दिन पहले पटना के जेपीएनआई हवाई अड्डे पर ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और आगे की सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। बम के बारे में ईमेल से मिली जानकारी फर्जी निकली।'' उन्होंने बताया कि धमकी के बाद हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसपी ने बताया, ''इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। अब हम मेल के आईपी एड्रेस का पता लगाने और भेजने वाले को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।''

बेन स्टोक्स ने जसप्रीत बुमराह फैक्टर को खारिज किया, खुद को ऋषभ पंत का बड़ा प्रशंसक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मंगलवार को जसप्रीत बुमराह के पांच में से केवल तीन टेस्ट मैचों में उपलब्ध होने को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करते हुए इसे ''भारत की समस्या'' करार दिया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम बुधवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में कड़ी चुनौती पेश करेगी।

बुमराह लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला जिससे शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम मज़बूत स्थिति में होने के बावजूद हार गई। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज़ इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने खास चुनौती पेश नहीं कर पाए। भारत ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि बुमराह इंग्लैंड में किन तीन टेस्ट मैचों का हिस्सा होंगे। उन्होंने एक मैच खेला है और उन्हें अब अगले चार मैचों में से दो में खेलना है। इंग्लैंड की टीम हालांकि बुमराह की उपलब्धता को लेकर चिंतित नहीं है और उसका ध्यान

शृंखला में अपनी बढ़त मजबूत करने पर है। स्टोक्स ने मैच की पूर्व संध्या पर बुमराह से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''यह भारत की समस्या है। वे इससे निपट लेंगे। मैं इंग्लैंड का कप्तान हूं।'' इंग्लैंड के कप्तान से जब भारतीय टीम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''अच्छी टीम है। वे हमेशा कड़ी टक्कर देते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं। उसके खिलाड़ी बहुत जुनूनी हैं।'' उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे खिलाड़ियों पर हमेशा दबाव होता है लेकिन भारत की तरफ से विशेष कर क्रिकेट में खेलने पर अन्य टीमों की तुलना में अधिक दबाव होता है। पिछले सप्ताह जो कुछ हुआ वह अतीत की बात है। यह नया मैच है और हम इसमें फिर से नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं।'' स्टोक्स ने खुद को ऋषभ पंत का बड़ा प्रशंसक बताया जिन्होंने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। पंत के आक्रामक अंदाज को देखकर इंग्लैंड का कप्तान भी खुद को मुस्कुराने से नहीं रोक पाया था। स्टोक्स ने कहा, ''भले ही वह विपक्षी टीम में हो, लेकिन मुझे ऋषभ को क्रिकेट खेलते हुए देखना पसंद है। मुझे वह तरीका पसंद है जिससे वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलता है। जब आप उसे स्वच्छंद होकर खेलने देते हैं तो फिर वही होता है जो पिछले सप्ताह हुआ।'' पंत एक टेस्ट मैच में दो शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए, जिससे क्रिकेट जगत ने उनकी प्रशंसा की।

''खेलो भारत'' नीति को कैबिनेट की मंजूरी : नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक दिन बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 'खेलो भारत नीति' को अपनी सरकार की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद कहा कि यह भारत के प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और देश को खेलों का केंद्र बनाने के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह नीति पांच स्तंभों पर आधारित है: वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता, आर्थिक विकास के लिए खेल, सामाजिक विकास के लिए खेल, लोगों के आंदोलन के रूप में खेल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के साथ एकीकरण। उन्होंने कहा, आशा है कि प्रतिभावान भारतीय खिलाड़ी हमेशा फलते-फूलते रहें। केंद्रीय मंत्रिमंडल के अन्य प्रमुख निर्णयों पर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि अनुसंधान विकास एवं नवाचार योजना इस क्षेत्र में परिवर्तनकारी साबित होगी। उन्होंने कहा, एक लाख करोड़ रुपए की यह योजना उभरते क्षेत्रों पर बड़ा प्रभाव डालेगी। यह अनुसंधान एवं विकास की दुनिया में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी बढ़ावा देगी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और पहली बार नौकरी करने वालों को प्रोत्साहन देने से उन्हें लाभ होगा। मोदी ने कहा कि चार लेन वाले परमकुडी-रामनाथपुरम खंड राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी मिलना तमिलनाडु की प्रगति के लिए बहुत अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि इससे यातायात की भीड़ कम होगी और आर्थिक विकास व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सुविचार

राधा का प्रेम समर्पण नहीं, एक उत्सव था, जिसमें हर दिन कृष्ण बसते थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सौंदर्य उपचार, सेहत से खिलवाड़

'सौंदर्य वृद्धि' के नाम पर सेहत से खिलवाड़ के प्रयोग खतरनाक साबित हो रहे हैं। हाल में एक मशहूर अभिनेत्री की मौत के बाद ऐसी दवाइयों के सेवन को लेकर बहस होनी जरूरी है, जिनके लिए कहा जाता है कि ये बढ़ती उम्र की रफ्तार धीमी कर देती हैं, जिससे व्यक्ति ज्यादा जवान और ज्यादा सुंदर दिखने लगता है। सिनेमा जगत से जुड़े कई लोगों के बारे में ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि उन्होंने विदेश जाकर सौंदर्य उपचार कराया था। उनकी देखादेखी भारत में भी कई लोग चेहरे की चमक बढ़ाने, ज्यादा जवान नजर आने, झुर्रियां मिटाने और ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए खास तरह की दवाइयां ले रहे हैं। ऐसे भी मामले सुर्खियों में रहे हैं, जब किसी व्यक्ति ने सिर पर बाल लगवाए तो उसकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ लोगों की मौत तक हो चुकी है। सवाल है– शारीरिक सुंदरता को बढ़ाने की ऐसी चाहत क्यों? हमेशा जवान रहने का मोह क्यों? आज सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की भरमार देखने को मिलती है, जिसमें दावा किया जाता है कि फलां चीज लगाने या उपचार कराने से आप बहुत सुंदर दिखने लगेंगे! क्या ऐसे दावों से कृत्रिम सौंदर्य का भ्रम पैदा नहीं होता? लोग जिस चमक–दमक के पीछे भाग रहे हैं, उसके खतरों के बारे में क्यों नहीं जानना चाहते? अगर किसी उपचार के जरिए ज्यादा सुंदर, ज्यादा आकर्षक, ज्यादा जवान हो भी गए तो कितने वर्षों तक रहेंगे? उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक बदलाव आना स्वाभाविक है। इसे रोकने की कोशिश करना प्रकृति के काम में हस्तक्षेप करना है। हां, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। अगर कोई स्वास्थ्य समस्या हो तो चिकित्सक से उपचार कराना चाहिए। हमारे महान ऋषियों–मुनियों ने तो आयुर्वेद में ऐसे कई उपायों का उल्लेख किया है, जिन पर अमल करने से मनुष्य उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्राप्त कर सकता है।

जहां तक ऐसे उपचारों का सवाल है, जो 'बढ़ती उम्र रोकने या धीमी करने' का दावा करते हैं, तो उनके साथ कई गंभीर जोखिम भी जुड़े होते हैं। युवाओं में बोटॉक्स, फिलर्स और लिपोसक्शन जैसे उपचारों को अपनाने की होड़ बढ़ती जा रही है। क्या बाहरी चमक–दमक ही असली सौंदर्य है? इतना ध्यान वैचारिक सौंदर्य की ओर क्यों नहीं दिया जाता? पिछले कुछ दशकों में समाज ने सुंदरता के जो कृत्रिम मानक बना लिए हैं, हमें उनसे बाहर निकलना होगा। क्या वजह है कि ब्याह–शादी के विज्ञापनों में एक खास रंग को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है? हमारे बाजार ऐसे सौंदर्य प्रसाधनों से भरे पड़े हैं, जिनकी कंपनियां वर्षों से दावा कर रही हैं कि ये त्वचा के रंग को बदलकर ऐसा बना देंगे, जिसे बहुत सुंदर माना जाता है! क्या ऐसी सोच उन लोगों के प्रति भेदभाव को बढ़ावा नहीं देती, जिनकी त्वचा का रंग वैसा नहीं है? सोशल मीडिया पर दिखाए जा रहे 'परफेक्ट' चेहरों और 'सुंदर' शरीरों का अनुकरण करने के बजाय उत्तम स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुकूल जीवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। जोखिम भरे सौंदर्य उपचार क्षणिक खुशी एवं संतुष्टि जरूर दे सकते हैं। इनके बल पर कोई व्यक्ति कब तक जवान रहेगा? एक दिन ये उपचार भी किसी काम नहीं आएंगे। ईश्वर ने जो जीवन दिया है, वह अनमोल है। उसे किसी खतरनाक सौंदर्य उपचार के नाम पर संकट में डाल देना कहां की अक्लमंदी है? लोगों को मैं कितना सुंदर दिखूंगा/गी, मैं कब तक ज्यादा जवान दिखूंगा/गी – जैसे सवाल हमारे मन में अनावश्यक चिंता पैदा करते हैं। इनमें उलझने के बजाय ईश्वर ने हमें जैसा बनाया है, उसी में संतुष्ट रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भाजपा नेताओं के प्रदेश में दौरों के समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अकारण हिरासत में लेना आजकल पुलिस का नया चलन बन गया है। अर्जुन राम मेघवाल के अनूपगढ़ दौरे से पहले अनूपगढ़ जिला बहाल करने की मांग कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

–अशोक गहलोत

भारत–पाक युद्ध में अद्भुत शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए राष्ट्र की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले परमवीर चक्र से विभूषित अब्दुल हमीद की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन! मातृभूमि के प्रति उनका समर्पण सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है।

सामयिक

समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा की जरूरत

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9425488224

आपातकाल में जब भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदला गया, जिसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन शब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन शब्दों की समीक्षा करने का आवाहन संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात का संकेत है, जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल–पुथल पैदा कर सकते हैं। यह बदलाव हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के साथ सनातन की भावना का अपमान भी है। प्रस्तावना संविधान का बीज होती है। इसी के आधार पर संविधान की मूल भावना विकसित होती है। भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। अतएव यह बदलाव न्याय का उपहास है।

भारतीय समाज के बहुलतावादी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक गणराज्य की नींव रखी थी। इसीलिए मूल संविधान में भारतीय परंपरा, संस्कृति, आध्यात्म जैसे ऊर्जावान तत्वों का समावेश संभव हुआ। तब संविधान निर्माताओं ने सोचा था कि भारत की संस्कृति, संस्कार और सभ्यतामूलक इतिहास के प्रवाह को भी विभिन्न छवियों के द्वारा स्थान मिलना चाहिए। तब उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस से आग्रह कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक सभ्यता के चित्रों की संविधान में जीवंत प्रस्तुति संभव हुई। इस क्रम में मोहनजोदड़ों के चित्रों से लेकर वैदिक युग के गुरुकुल हैं। मौलिक अधिकार के अध्याय में प्रभु राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है। चूंकि राम मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ रामराज्य के प्रतीक हैं। इसलिए उनका चित्र तार्किक है। राज्य के नीति–निदेशक तत्व अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश दिए जाने का चित्र है। यह चित्र एक हताश योद्धा को अपने कर्तव्य पालन के प्रति इंगित करता है। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट विक्रमादित्य और नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा है। शिव के नटराज नृत्य की छवि प्रदर्शित है। मुगल काल में अकबर और मुगलकालीन स्थापत्य के चित्र हैं। लेकिन बाबर औरंगजेब की चर्चा नहीं है। क्योंकि ये क्रूर और मंदिरों के विध्वंसक रहे हैं। इसी क्रम में वीर शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान से जुड़े चित्र हैं। इन चित्रों को छापना इसलिए संभव हुआ, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के साथ भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता को जानने पर जोर दिया था। क्या आज के परिप्रेक्ष्य में इन चित्रों का संविधान में प्रदर्शन संभव था?

दरअसल स्वतंत्रता के कुछ वर्ष बाद से केवल हिंदू और हिंदुओं से जुड़े प्रतिरोध को धर्मनिरपेक्षता मान लेने की परंपरा सी चल निकली थी। जबकि वास्तविकता तो यह है कि मूल संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द थे ही नहीं। ये शब्द तो आपातकाल के दौरान 42वां संविधान संशोधन लाकर 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष संविधान अधिनियम 1976' के माध्यम से जोड़े गए थे। आपातकाल के बाद जब जनता दल की केंद्र में सरकार बनी तो यह सरकार 43वां संशोधन विधेयक लाकर सेक्युलरिज्म मसलन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या स्पष्ट करना चाहती थी, प्रस्तावित प्रारूप में इसे स्पष्ट करते हुए वाक्य जोड़ा गया था, गणतंत्र शब्द जिसका विशेषण 'धर्मनिरपेक्ष' है का अर्थ है, ऐसा गणतंत्र जिसमें सब धर्मो के लिए समान आदर हो, लेकिन लोकसभा से इस प्रस्ताव के पारित हो जाने के बावजूद कांग्रेस ने इसे राज्यसभा में गिरा दिया था। अब यह स्पष्ट उस समय के कांग्रेसी ही कर सकते हैं कि धर्मों का समान रूप से आदर करना धर्मनिरपेक्षता क्यों नहीं है? गोया, इसके लाक्षणिक महत्व को दरकिनार कर दिया गया।

शायद ऐसा इसलिए किया गया जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव स्थिर न होने पाए और सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता को अनंतकाल तक वोट की राजनीति के चलते तुष्टिकरण के उपायों के जरिए भुनाया जाता रहे। साथ ही इसका मनमाने ढंग से उपयोग व दुरुपयोग करने की छूट सत्ता–तंत्र को मिली रहे। जहां तक गणतंत्र शब्द का प्रश्न है तो विक्टर ह्यूगो ने इसे यूं परिभाषित किया है, 'जिस तरह व्यक्ति का अस्तित्व उसके जीने की इच्छा की लगातार पुष्टि है, उसी तरह देश का अस्तित्व उसमें रहने वालों का परस्पर तालमेल नित्य होने वाला जनमत संग्रह है।' दुर्भाग्य से हमारे यहां नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तक परस्पर तालमेल खंडित होता रहा है। अलगाव और आतंकवाद की अवधारणाएं निरंतर देश की संप्रभुता व अखण्डता के समक्ष खतरा बनकर उभरती रही हैं। राष्ट्रवाद और भारत माता की जय को भी संकीर्ण और अल्प–धार्मिक दृष्टि से देखा जाता रहा है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में वामपंथी मानसिकता के चलते जिस तरह से देश के हजार टुकड़े करने के नारे लगते रहे और उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी के परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक ठहराने की कोशिशें हुईं, उस संदर्भ में लगता है कि धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी के मायने राष्ट्रद्रोह को उकसाने और उन्हें संरक्षित करने के उपाय ही साबित हुए हैं। अतएव इस तरह की विकृतियों को आधार देने वाले संविधान के अनुच्छेदों में बदलाव जरूरी है।

भारतीय संविधान जिस नागरिकता को मान्यता देता है, वह एक भ्रम है। सच्चाई यह है कि हमारी नागरिकता भी खासतौर से अल्पसंख्यक–बहुसंख्यक समुदायों में बंटी हुई है। लिहाजा इसका चरित्र उत्तरोत्तर सांप्रदायिक होता रहा है। हिंदु, मुसलमान और ईसाई भारतीय नागरिक होने का दंभ बढ़ता है। जबकि नागरिकता केवल देशीय मसलन भारतीय होनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत में 4635 समुदाय हैं। जिनमें से 78 प्रतिशत समुदायों की न सिर्फ भाषाई एवं सांस्कृतिक बल्कि सामाजिक श्रेणियां भी हैं। इन समुदायों में 19.4 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। गोया, धर्मनिरपेक्षता शब्द को विलोपित किया जाना जरूरी है। हालांकि आजादी के ठीक बाद प्रगतिशील बौद्धिकों ने भारतीय नागरिकता को मूल अर्थ में स्थापित करने का प्रयास किया था, लेकिन धर्मनिरपेक्षता के फेर में मूल अर्थ सांप्रदायिक खानों में विभाजित होता चला जा रहा है, जिसका संकट अब कुछ ज्यादा ही गहरा गया है।

वर्तमान में हमारे यहां धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के शब्द 'सेक्युलर' के अर्थ में हो रहा है। अंग्रेजी के ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में इसका अर्थ 'ईश्वर' विरोधी दिया है। भारत और इस्लामिक देश ईश्वर विरोधी कतई नहीं हैं। ज्यादातर क्रिश्चियन देश भी ईसाई धर्मावलंबी हैं। हां, बौद्ध धर्मावलंबी चीन और जापान जरूर ऐसे देश हैं, जो धार्मिक आस्था से पहले राष्ट्रप्रेम को प्रमुखता देते हैं। हमारे संविधान की मुश्किल यह भी है कि उसमें धर्म की भी व्याख्या नहीं हुई है। इस बाबत न्यायमूर्ति राजगोपाल आय्यंगर ने जरूर इतना कहा है, 'मैं यह जोड़ना चाहता हूं कि अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक सहिष्णुता का वह सिद्धांत शामिल है, जो इतिहास के प्रारंभ से ही भारतीय सभ्यता की विशेषता रहा है।' इसी क्रम में यह भी कहा, 'धर्म शब्द की व्याख्या लोकतंत्र में नहीं हुई है और यह ऐसा शब्द है, जिसकी निश्चित व्याख्या संभव नहीं है।' संभवतः इसीलिए न्यायालय को कहना पड़ा था कि 'गणतंत्र का धर्मनिरपेक्ष स्वभाव राष्ट्रनिर्माताओं की इच्छा के अनुरूप होना चाहिए और इसे ही संविधान का आधार माना जाना चाहिए।' अब यहां संकट यह भी है कि भारत राष्ट्र का निर्माता कोई एक नायक नहीं रहा। गरम, नरम और नेताजी सुभाष के सैन्य दलों के विद्रोह से विभाजित स्वतंत्रता संभव हुई। नतीजतन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को किसी एक इबारत में बांधना असंभव है। इसीलिए श्रीमद्भागवत गीता में जब यक्ष धर्म को जानने की दृष्टि से प्रश्न करते हैं तो धर्मराज युधिष्ठिर का उत्तर होता है, 'तर्क कहीं स्थिर नहीं हैं, श्रुतियां भी भिन्न–भिन्न हैं। एक ही ऋषि नहीं है, जिसका प्रमाण माना जाए। धर्म का तत्व गुफा में निहित है। अतः जहां से महापुरुष जाएं, वही सही धर्म या मार्ग है।'

इसी संदर्भ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सत्य एक है। विद्वान उसे अलग–अलग तरीके से कहते हैं। भारतीय दर्शन इसे मुंडे मुंडे मतिर्भिन्ना कहता है। अर्थात सर्वधर्म सद्भाव भारतीय–संस्कृति का मूल है, धर्मनिरपेक्ष हमारी संस्कृति का मूल नहीं है। इसलिए इसे हटाने पर विचार होना चाहिए। वैसे भी भारतीय परंपरा में धर्म कर्तव्य के अर्थ में प्रचलित है। यानी मां का धर्म, पिता का धर्म, पुत्र का धर्म, स्वामी का धर्म और सेवक का धर्म, इस संदर्भ में कर्तव्य से निरपेक्ष कैसे रहा जा सकता है? सेक्युलर के लिए शब्दकोश में पंथनिरपेक्ष शब्द भी दिया गया है, पर इसे प्रचलन में नहीं लिया गया। अतएव यह आवश्यक हो गया है कि संविधान में जो भी ठूंसे गए विकार और विसंगतियां हैं, उन्हें जम्मू–कश्मीर को अलग करने वाली धारा 370 की तरह विलोपित कर देना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने ठीक ही कहा है कि डॉ अंबेडकर ने देश को एकजुट रखने के लिए एक संविधान की कल्पना की थी। उन्होंने कभी भी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का समर्थन नहीं किया। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद–370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखते हुए एक संविधान के तहत एकजुट भारत से संबंधित डॉ अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली है। गवई पांच न्यायाधीशों की उस संविधान पीठ के सदस्य थे, जिसकी अध्यक्षता तब के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने की थी। इस पीठ ने सर्वसम्मति से अनुच्छेद–370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन किया था। अतएव धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्दों को संविधान की प्रस्तावना से विलोपित करके उसे मूल स्वरूप में लाने की जरूरत है।

नजरिया

पर्यावरण पर प्लास्टिक प्रदूषण का कसता शिकंजा

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 8237417041

दुनियाभर में जितने भी आविष्कार हुए, वो मानवजाति के विकास में सहयोग हेतु हुए, परंतु मानव ने अपनी आवश्यकताओं की सीमा को तोड़कर मनमानी शुरू कर दी और अपने साथ ही समस्त जीव सृष्टि के लिए विनाश का बिगुल फूंक दिया। ऐसा ही प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारे पृथ्वी के लिए बड़ी समस्या बना है। धरती, आकाश, जल, हवा संपूर्ण वातावरण में प्लास्टिक प्रदूषण ने जीवन के लिए खतरा पैदा किया है और यह खतरा तेजी से घातक स्तर पर बढ़ रहा है, फिर भी लोग समझने को तैयार नहीं है। हम अक्सर देखते हैं कि विशिष्ट प्लास्टिक बैग और अन्य प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध तरीके से धड़ल्ले से उपयोग की जाती है। प्लास्टिक प्रदूषण जीवन चक्र को बाधित करके नुकसान पहुंचा रहा है। इसी समस्या की गंभीरता को समझने के लिए हर साल 3 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 की थीम एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम करके उसके टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देना यह है। यह थीम डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग की समस्या को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देता है और पुन: प्रयोज्य विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और प्लास्टिक मुक्त भविष्य के लिए कार्रवाई को प्रेरित करना भी है।

संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण कार्यक्रम अनुसार, हर साल 460 मिलियन मीट्रिक टन से ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है। प्लास्टिक का इस्तेमाल लगभग सभी औद्योगिक गतिविधियों में, निर्माण में, वाहनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि तक और सभी उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। साल 2019 में पर्यावरण में वैश्विक प्लास्टिक कचरे में से 88 प्रतिशत या लगभग 20 मिलियन मीट्रिक टन मैक्रोप्लास्टिक था, जो सभी पारिस्थितिकी तंत्रों को प्रदूषित करता है। दुनिया का अधिकतर प्लास्टिक प्रदूषण बोतलों, कैप, शॉपिंग बैग, कप, स्ट्रॉ जैसे सिंगल–यूज़ उत्पादों से आता है। रोजाना दुनिया के महासागरों, नदियों और झीलों में 2,000 ट्रक प्लास्टिक कचरा डाला जाता है। यूएनईपी 2025 अनुसार, अब तक उत्पादित

प्लास्टिक का केवल 9 फीसदी ही रीसाइकिल किया गया है, शेष वातावरण में प्रदूषण के रूप में मौजूद है। ईएमएफ 2016 अनुसार, साल 2050 तक, समुद्र में मछलियों से ज़्यादा प्लास्टिक हो सकता है। यूके सरकार 2018 अनुसार, हर साल समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण से 100,000 से अधिक समुद्री स्तनधारी और दस लाख समुद्री पक्षी मारे जाते है। सभी समुद्री कूड़े में प्लास्टिक 80 प्रतिशत है। प्लास्टिक हजार साल तक नष्ट न होनेवाला अपशिष्ट है, 1950 से अब तक दुनिया भर में 9.2 बिलियन टन से ज़्यादा प्लास्टिक का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 7 बिलियन टन कचरे के रूप में गया है। स्टेटिस्टा दर्शाता है कि, पिछले चार दशकों में वैश्विक प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन में सात गुना वृद्धि हुई है। एशिया वह क्षेत्र है जो सबसे अधिक अप्रबंधित प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जो वैश्विक कुल का 65 प्रतिशत है।

प्लास्टिक प्रदूषण हमारे भोजन, पीने के पानी और हमारे द्वारा साँस ली जाने वाली ऑक्सीजन के माध्यम से भी हमारे शरीर में प्रवेश करता है। सौर विकिरण, हवा, धाराओं और अन्य प्राकृतिक कारकों के कारण, प्लास्टिक माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक में टूट जाता है। नैनोप्लास्टिक शरीर में सहज प्रवेश करने में सक्षम है। माइक्रोप्लास्टिक हमारे दिल, फेफड़े, लीवर, तिल्ली, गुर्दे और दिमाग में भी पाए गए हैं, और हाल ही में किए गए एक अध्ययन में नवजात शिशुओं के प्लेसेंटा में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए। प्लास्टिक से निकलनेवाले कम से कम 4,219 रसायन चिंता का विषय है। समुद्र में 24 ट्रिलियन माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े होने के कारण, समुद्री जीव अक्सर प्लास्टिक निगल लेते हैं। जब समुद्री जलचर को मनुष्य खाते हैं, तो वह प्लास्टिक मनुष्य के शरीर में प्रवेश करता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि औसत व्यक्ति हर साल समुद्री भोजन से लगभग 53,864 माइक्रोप्लास्टिक कण खाता है।

भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत बढ़कर प्रति वर्ष अनुमानित 11 किलोग्राम हो गई है, और यह लगातार बढ़ेगी। हर साल 5.8 मिलियन टन से अधिक कचरे को जला दिया जाता है, जिससे हवा में डाइऑक्सिन जैसे अनेक घातक प्रदूषक फैलते है और ये ध्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनते है, साथ ही कैंसर के जोखिम को बढ़ाते है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अनुसार, 2030 तक बिना एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे से भारत को भौतिक मूल्य में 133 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है।

प्लास्टिक बैग पशु मृत्यु को बढ़ावा देता है, यह बायोडिग्रेडेबल नहीं होते, प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बनाए जाते है, इसके निर्माण के दौरान जहरीले रसायन निकलते है। प्लास्टिक खाद्य भंडारण पैकेज में जहरीले रसायन होते है। प्लास्टिक बैग के बड़े जमाव से अक्सर जल निकासी व्यवस्था अवरुद्ध हो जाती है। प्लास्टिक बैग बच्चों को फेफड़ों की जटिलताओं के जोखिम बढ़ाते है और महिलाओं में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते है, साथ ही प्लास्टिक पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है। प्लास्टिक बैग भूजल को प्रदूषित करते है, प्लास्टिक प्रदूषण प्राकृतिक खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है। प्लास्टिक बैग के उत्पादन में बहुत अधिक पानी का उपयोग किया जाता है।

अनभिज्ञता या लापरवाही कहें, लोग अक्सर गर्म खाद्यपदार्थों की पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक कैरीबैग का उपयोग सहजता से करते है। हम अपने आसपास देखते है कि गर्म पेय, चाय, कॉफी भी छोटी–छोटी कैरीबैग में लेकर जाते है। होटल, रेस्टोरेंट या सड़कों पर गर्मागर्म स्ट्रीट फूड, नाश्ता, खाना भी प्लास्टिक प्लेट में खाते है या प्लास्टिक कैरीबैग में पार्सल के तौर पर उपयोग करते है, जो सेहत के लिए काफी घातक होता है। प्लास्टिक बैग में गर्म खाद्यपदार्थ या अन्न सामग्री का उपयोग जहर के समान है, क्योंकि गर्म खाद्यपदार्थ प्लास्टिक के संपर्क में आते ही रासायनिक प्रक्रिया शुरू करते है, प्लास्टिक गर्म होते ही उससे निकलनेवाले घातक रसायन खाद्य पदार्थों में समाविष्ट हो जाते है और मनुष्य उस खाद्यपदार्थ का सेवन करके सीधे जानलेवा बीमारियों को आमंत्रित करता है। यह सब जानते हुए भी देश में बड़ी मात्रा में खाद्यपदार्थों के लिए प्लास्टिक का उपयोग बेख़ौफ़ तरीके से होता है।

प्लास्टिक का उत्पादन उपभोक्ता की मांग को पूरा करने के लिए है, अगर हम उपभोक्ता ही प्लास्टिक से दुरी बना लें, तो समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है, प्लास्टिक के अन्य पर्याय को अपनाना और जागरूकता एवं पर्यावरण के बचाव के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। सबसे पहले अपना स्वार्थ और आलस छोड़ें, सरकारी नीतिनियमों का कड़ाई से पालन करें। फिर प्लास्टिक के संभवत पर्यायों का अवलंबन करें। उपयोग करो और फेंक दो जैसी वस्तुओं को ना कहें। प्लास्टिक कैरीबैग को पूर्णत भूल जाएं, खाद्यपदार्थों के पैकेजिंग में प्लास्टिक का उपयोग टाले। प्लास्टिक आज सुविधा परंतु जीवनभर के लिए दुविधा है यह समझें। पर्यावरण हमें बेहतर जीवन देने के लिए है, अगर हम ही अपने पर्यावरण को बर्बाद करेंगे तो पर्यावरण भी हमें जीवन नहीं अपितु बर्बादी ही देगा, इस बात की गंभीरता को समझें और जागरूक नागरिक का फर्ज निभाएं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कर छूट विधेयक को लेकर ट्रंप, मस्क में जुबानी जंग तेज

वाशिंगटन/एपी

अरबपति एलन मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच वाकयुद्ध कर छूट और खर्च में कटौती संबंधी अहम विधेयक को लेकर फिर तेज हो गया है। मस्क ने दावा किया कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं, जबकि ट्रंप ने इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी को लेकर टेस्ला कंपनी के सीईओ पर निशाना साधा।

मस्क और ट्रंप के बीच टकराव राष्ट्रपति के अहम विधेयक को लेकर है। मस्क ने तीन दिन पहले ही विधेयक की आलोचना तेज कर दी थी और उनका तर्क था कि रिपब्लिकन सीनेटर जिस कानून को पारित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उससे नौकरियां खत्म हो जाएंगी और उभरते उद्योग ठप पड़ जाएंगे। स्पेसएक्स कंपनी के भी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया कि यह विधेयक रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक आत्महत्या के समान होगा। सीनेट द्वारा देर रात्रि तक चर्चा किए जाने के बीच, मस्क ने सुझाव दिया कि वह अगले वर्ष विधेयक के पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस सदस्यों को उनकी सीटों से हटाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस के प्रत्येक सदस्य, जिन्होंने सरकारी खर्च को कम करने के लिए अभियान चलाया और फिर तुरंत इतिहास में सबसे बड़ी ऋण वृद्धि के लिए मतदान किया, उन्हें शर्म से अपना सिर झुकाना चाहिए। और अगर यह इस धरती पर मेरा आखिरी काम है तो वे अगले साल अपना प्राथमिक चुनाव हार जाएंगे।

इस पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 2.6 करोड़ बार देखा गया। कुछ घंटों बाद मस्क ने एक पोस्ट जारी कर दावा किया कि यदि विधेयक पारित हो गया तो वह एक नई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। उन्होंने लिखा, अगर यह पागलपन भरा विधेयक पारित हो जाता है, तो अगले ही दिन 'अमेरिका पार्टी' का गठन हो जाएगा। हमारे देश को डेमोक्रेट-रिपब्लिकन पार्टी के विकल्प की जरूरत है ताकि लोगों के पास वास्तव में आवाज हो। अमेरिका पार्टी के बारे में मस्क की पोस्ट को 'एक्स' पर 3.2 करोड़ बार देखा गया। ट्रंप ने अपनी ओर से मस्क की आलोचनाओं में 'ईवी' अनिवार्यताओं और सब्सिडी पर जोर दिया। मंगलवार सुबह 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि मस्क को पता है कि वह 'ईवी' अनिवार्यता के खिलाफ हैं और लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

इंतजार का कोई मलाल नहीं : शनाया कपूर

मुंबई/भाषा। नवोदित अभिनेत्री शनाया कपूर अपनी पहली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से अभिनय की दुनिया में कदम रखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह मौका तीन साल की देरी से आया है, लेकिन उन्हें इस इंतजार का कोई मलाल नहीं है।

अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया पहले निर्माता करण जौहर की फिल्म बेधड़क से फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली थीं। इस प्रोजेक्ट की घोषणा मार्च 2022 में की गई थी, लेकिन बाद में इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

वह अब अपने अभिनय करियर की शुरुआत आंखों की गुस्ताखियां से कर रही हैं, जो एक संगीतमय रोमांटिक फिल्म है, जिसमें वह विक्रांत मैसी के साथ नजर आएंगी।

शनाया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में कहा, यह एक सपने जैसा एहसास है, और जब आप खुद को यूट्यूब पर देखते हैं, तो यह अभिभूत कर देने वाला होता है। मैं खुद को देख रही हूं और अपने संगीत वीडियो डाल रही हूं और मैं लगातार देख रही हूं कि यह कैसा दिख रहा है, दर्शक क्या कह रहे हैं, और यह एक अभिभूत कर देने वाला एहसास है। उन्होंने कहा, सब कुछ एक साथ हो गया है, और मैं इस यात्रा से खुश हूं। अगर इसमें समय लगा है, अगर इसमें उतार-चढ़ाव आए हैं... मुझे लगता है कि यह सब इसलिये हुआ, ताकि मैं आज यहां पहुंच सकूं।

शनाया (25) जानती हैं कि फिल्म कलाकार की संतान होने के कारण उनपर अतिरिक्त दबाव और निगरानी रहेगी और उन्होंने कहा कि वह हर चीज को सहजता से लेती हैं। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से जानती थी कि मैं क्या कर रही हूं और पेशे के तौर पर क्या करना चुन रही हूं। इसमें पूर्वाग्रह होते हैं, आलोचना होती है, दबाव की भावना होती है, लेकिन मैं इसे सकारात्मक रूप से लेती हूं।

नवोदित अभिनेत्री ने कहा, मैं इसे फीडबैक के रूप में देखती हूं। जब बात मेरे कपड़े पहनने के तरीके, या दिखने के तरीके या मेरे शरीर की बनावट की आती है, तो कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप अलग रख सकते हैं; ये ऐसी चीजें हैं, जिन्हें मैं फिल्टर (अनदेखा) कर सकती हूं। वह फिल्म में अपने अभिनय के प्रति दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं जानूं कि दर्शक क्या कह रहे हैं, उनकी राय क्या है, और वे मेरे बारे में, मेरे काम के बारे में जो थोड़ा-बहुत मैंने अब तक किया है, जैसे कि विज्ञापन उस पर क्या सोचते हैं। मैं लोगों के विचार जानना चाहती हूं, ताकि उन पर काम कर सकूं। मैं आलोचना को बेहद सकारात्मक रूप में लेती हूं।

संतोष सिंह द्वारा निर्देशित और मानसी बागला और निरंजन अयंगर द्वारा लिखित इस फिल्म में शनाया ने सबा नामक एक दृष्टिबाधित लड़की की भूमिका निभाई है।

शब्बीर आहलूवालिया के साथ अभिनय करना सपना सच होने जैसा: आशी सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आशी सिंह का कहना है कि सोनी सब के शो उफ्फ ये लव है मुश्किल में शब्बीर आहलूवालिया के साथ अभिन करना उनके लिये सपना सच होने जैसा है। सोनी सब के रोमांटिक कॉमेडी शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में कैरी शर्मा की भूमिका निभा रहीं आशी अपने को-स्टार शब्बीर आहलूवालिया की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हैं। उनके साथ अभिनय करना उनके लिए एक सपना सच होने जैसा है। यह शो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को सामने लाता है, जिसमें शब्बीर आहलूवालिया युग सिन्हा के रूप में एक रहस्यमयी, रूखे और गंभीर किरदार निभा रहे हैं, वहीं आशी का किरदार कैरी एक चुलबुली और खुशमिजाज युवती का है, जो एक सफल वकील बनने का सपना देखती है। स्क्रीन पर जहां दोनों की नोकझोंक देखने लायक होती है, वहीं पर्दे के पीछे आशी ने एक मजेदार शौक पाल लिया है। शब्बीर की तस्वीरें चोरी-छुपे खींचने का, जब वह अपने 'युग मोड' में होते हैं, रहस्यमय, गंभीर और हल्के से चिड़चिड़े! आशी सिंह ने इंस्टाग्राम पर मजाकिया अंदाज में लिखा,पूरी कोशिश की कि शब्बीर की एक कैंडिड फोटो ले सकूं जब वो पूरी तरह युग बने हुए थे... लेकिन जाहिर है, वो फिर भी ऐसे लगते हैं जैसे शूट से सीधा बाहर निकले हों। बिना मेहनत के इतने हैंडसम लगना , कैसे करते हो यार। आशी सिंह ने कहा, शब्बीर आहलूवालिया को युग के किरदार में ढलते हुए देखना मेरे लिए सबसे मजेदार अनुभवों में से एक है। वो इस किरदार में इतनी स्वाभाविक गंभीरता लाते हैं । यह सहज होता है, लेकिन बहुत प्रभावशाली। जब वो युग के गंभीर पलों में होते हैं, तब भी वो किसी परफेक्ट तस्वीर जैसे लगते हैं। रोज उन्हें इतने करीब से काम करते देखना मेरे लिए किसी मिनी मास्टरक्लास से कम नहीं है।

एचआईवी का इलाज उपलब्ध, फिर भी क्यों जरूरी है उपचार की खोज?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

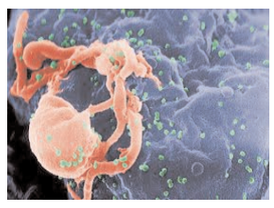

सिडनी। एचआईवी के इलाज और रोकथाम के लिए बीते तीन दशक में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और आधुनिक दवाओं की मदद से एचआईवी अब एक ऐसा संक्रमण बन चुका है जिसका इलाज हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कोई एचआईवी संक्रमित व्यक्ति समय पर और नियमित रूप से एंटीरेट्रोवायरल दवाएं लेता है, तो उसकी जीवन प्रत्याशा लगभग सामान्य होती है। साथ ही ये दवाएं संक्रमण को दूसरे व्यक्तियों तक फैलने से भी रोकती हैं।

हालांकि, एचआईवी का कोई प्रभावी टीका अब तक विकसित नहीं हुआ है। लेकिन उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए संक्रमण से बचाव के लिए प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीआरईपी) नामक प्रभावी दवाएं उपलब्ध हैं, जो रोजाना या जरूरत के अनुसार ली जा सकती हैं। हाल ही में अमेरिका में छह महीने तक सुरक्षा देने वाला इंजेक्शन भी स्वीकृत हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि एचआईवी की दवाएं और पीआरईपी तभी कारगर हैं जब उनकी सतत आपूर्ति बनी रहे। लेकिन विश्व के कई हिस्सों में स्वास्थ्य सेवाओं की सीमाएं, दवाओं की महंगी कीमत और राजनीतिक अस्थिरता इन उपायों को फलीभूत होने की बात तो दूर, उन्हें कमजोर बना देती है।

उदाहरण के तौर पर, अमेरिका द्वारा हाल में अपनी विदेशी सहायता (यूएसएआईडी) में कटौती करने से कई निम्न-आय वाले देशों में एचआईवी दवाओं की आपूर्ति खतरे में पड़ गई है। इसी तरह पीआरईपी इंजेक्शन की ऊंची लागत के कारण इसे उन देशों में उपलब्ध कराना मुश्किल है जहां एचआईवी का बोझ सबसे अधिक है।

यह उपचार और रोकथाम के लिए वर्तमान दृष्टिकोण की कमजोरी को दर्शाता है। एचआईवी दवा की एक सुरक्षित, निर्बाध आपूर्ति की आवश्यकता है, और इसके बिना, लोगों की जान जाएगी और एचआईवी के नए मामलों की संख्या बढ़ जाएगी। एक और उदाहरण छमाही पीआरईपी इंजेक्शन है जिसे हाल ही में अमेरिका में मंजूरी दी गई है। इस दवा में एचआईवी को नियंत्रित करने की बहुत संभावना है बशर्ते इसे सबसे अधिक एचआईवी बोझ वाले देशों में उपलब्ध और सस्ता बनाया जाए।

लेकिन कम आय वाले देशों के लिए इस महंगी दवा तक पहुंचने की संभावना अनिश्चित दिखती है, भले ही इसे इसकी वर्तमान लागत के एक हिस्से से बनाया जा सके, जैसा कि कुछ शोधकर्ता कहते हैं।

अब तक सात से अधिक मामले सामने आए हैं जहां एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में संक्रमण के कोई चिन्ह नहीं मिले। लेकिन ये सभी मरीज कैंसर से पीड़ित थे और उन्हें बोन मैरो ट्रांसप्लांट की आवश्यकता थी। उन्हें ऐसे डोनर से बोन मैरो प्रतिरोपण किया गया जिनके शरीर में एचआईवी रिसेप्टर मौजूद नहीं थे। हालांकि यह तरीका जोखिमपूर्ण और महंगा है और बड़े पैमाने पर लागू नहीं किया जा सकता। इसलिए विशेषज्ञ वैकल्पिक इलाज की खोज जारी रखने पर बल दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक प्रयोग में शोधकर्ताओं ने एमआरएनए आधारित एक नैनोपार्टिकल विकसित किया है जो एचआईवी संक्रमित कोशिकाओं को ''छिपे हुए'' एचआईवी वायरस को उजागर करने के लिए प्रेरित करता है। इससे रोग प्रतिरोधक तंत्र या दवाएं वायरस को खत्म कर सकती हैं। यह प्रयोगशाला स्तर पर सफलता है, लेकिन अभी इसका मानव परीक्षण होना बाकी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इलाज की दिशा में ऐसे कई कदम और अनुसंधान आवश्यक हैं जो समय और संसाधनों की मांग करते हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक एचआईवी के लिए कोई सुरक्षित, किफायती और प्रभावी इलाज नहीं विकसित हो जाता, तब तक रोकथाम और उपचार की मौजूदा रणनीतियों पर भरोसा करना होगा। इसके लिए सभी को बराबरी से जांच, पीआरईपी और दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

पुरी जगन्नाथ की फिल्म में विजय सेतुपति के साथ दिखेंगी संयुक्ता

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक पुरी जगन्नाथ की बहुप्रतीक्षित अपकमिंग फिल्म की शूटिंग अब जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। फिल्म में अभिनेता विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। पुरी जगन्नाथ की इस महत्वाकांक्षी फिल्म को लेकर प्रशंसकों और सिने प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। पहले यह शूटिंग जून के आखिरी सप्ताह में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब इसे जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू करने का फैसला लिया गया है। फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल में विजय सेतुपति के साथ अन्य एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म पुरी जगन्नाथ के प्रोडक्शन हाउस 'पुरी कनेक्ट्स' के बैनर तले बन रही है, जिसे चार्मी कौर प्रस्तुत कर रही हैं। इसके साथ ही जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रोल्ला के सहयोग से फिल्म की भव्यता को और बढ़ाया जाएगा।

फिल्म में अभिनेत्री संयुक्ता, विजय सेतुपति के साथ मुख्य भूमिका में दिखेंगी, जबकि तब्बू और विजय कुमार महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, संयुक्ता का किरदार कहानी में महत्वपूर्ण होगा। वह शानदार अंदाज में फिल्म में दिखेंगी। संयुक्ता इस कहानी और अपने किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। पहले शेड्यूल के लिए हैदराबाद और चेन्नई में लोकेशन की खोज पूरी हो चुकी है। यह पैन-इंडिया फिल्म हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।पुरी जगन्नाथ अपनी शानदार कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में वह विजय सेतुपति की प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस के साथ अपने खास अंदाज को पेश करेंगे।

यह फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म होगी, जिसमें अनूठी कहानी और पुरी के खास निर्देशन का मिश्रण होगा। सभी प्री-प्रोडक्शन तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। पुरी जगन्नाथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सफल निर्देशक हैं, जो तेलुगू फिल्म 'बदरी', 'इत्लु श्रावणी सुब्रमण्यम', 'अप्पू', 'इडियट', 'देसमुदुरु', 'बिजनेसमैन', और 'पोकरी' जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

लांच

अभिनेता मानुषी छिल्लर, राजकुमार राव, प्रोसेनजीत चटर्जी तथा अन्य लोग मंगलवार को मुंबई में आगामी फिल्म 'मालिक' के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए।

फिल्म 'सरज़मीन' का पहला लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जियो हॉटस्टार की आने वाली फिल्म सरज़मीन का पहला लुक रिलीज हो गया है। कश्मीर में तेजी से हो रहे उथल-पुथल की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म सरज़मीन ,विजय मेनन (पृथ्वीराज सुकुमारन) पर आधारित है, जो एक सम्मानित सेना अधिकारी है, जो अपने कर्तव्य और व्यक्तिगत बलिदान की अडिग भावना के लिए जाना जाता है। मीरा (काजोल), एक मजबूत मां और पत्नी के रूप में, परिवार को एक साथ रखने के लिए संघर्ष करती है। हरमन (इब्राहिम अली खान) एक युवा व्यक्ति की भूमिका में उबलती हुई तीव्रता लाता है, जो यादों और परेशान करने वाली सच्चाइयों के बीच फंस जाता है। निर्माता करण जौहर ने कहा, सरज़मीन कर्तव्य, परिवार और हमें परिभाषित करने वाले विकल्पों के बारे में एक गहरी भावनात्मक कहानी है।

यह सिर्फ़ एक थ्रिलर नहीं है, यह एक व्यक्तिगत और शक्तिशाली यात्रा है, जो उस समय को बयां करती है जिसमें हम रह रहे हैं। ईमानदारी और दिल से, यह पता लगाता है कि जब आपके आस-पास की हर चीज़ का परीक्षण किया जाता है, तो अपने मूल्यों के प्रति सच्चे रहने का क्या मतलब है। हम इस कहानी को देश भर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए एक बार फिर जियोहॉटस्टार के साथ सहयोग करके खुश हैं, यह एक साझेदारी है जो सार्थक कहानी कहने का समर्थन और जश्न मनाती रहती है।

निर्माता अपूर्व मेहता ने कहा, धर्मा में, हम ऐसी कहानियाँ बताने में विश्वास करते हैं, जो भावनात्मक रूप से जुड़ती हैं और एक स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं। सरज़मीन एक ऐसी ही फ़िल्म है, जिसमें पैमाना और दिल दोनों हैं। कायोज़ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता के साथ संभाला है, और पृथ्वीराज, काजोल और इब्राहिम का अभिनय शक्तिशाली और मार्मिक है। हमें इस फ़िल्म को पूरे भारत में दर्शकों तक पहुंचाने के लिए जियोहॉटस्टार के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो सार्थक और आकर्षक सिनेमा का आनंद लेते हैं।

सरज़मीन के साथ अपने फीचर निर्देशन की शुरुआत कर रहे कायोज़ ईरानी ने कहा, सरज़मीन हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगी, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि यह एक निर्देशक के तौर पर मेरी पहली फीचर फ़िल्म है, बल्कि इसलिए भी कि इसने मुझे एक ऐसी कहानी कहने का मौका दिया जो बेहद अंतरंग और गहन दोनों है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं करण, अपूर्व और पूरे धर्मा परिवार का बहुत आभारी हूँ।

पृथ्वीराज सर, काजोल मैम और इब्राहिम जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना, जिनमें से हर किसी ने अपने अभिनय में इतनी भावनात्मक गहराई और ईमानदारी लाई है, किसी सम्मान से कम नहीं है। फिल्म सरज़मीन 25 जुलाई, 2025 से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

जम्मू में अमरनाथ यात्रा पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

जम्मू/भाषा। जम्मू में प्रशासन द्वारा अमरनाथ यात्रा के लिए मौके पर ही पंजीकरण शुरू किये जाने के बाद मंगलवार को देशभर से सैकड़ों श्रद्धालु यहां जम्मू पहुंचे।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर की यात्रा औपचारिक तौर पर तीन जुलाई को शुरू होगी।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है।

प्राधिकारियों ने यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा।

उप संभागीय मजिस्ट्रेट मनु हंसा ने कहा, ''अमरनाथ यात्रा के लिए देश के अन्य भागों से जम्मू पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए मौके पर पंजीकरण शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं को टोकन दिये जाने के साथ यह किया जा रहा है।''

अधिकारियों ने बताया कि यहां शालीमार इलाके में अपंजीकृत श्रद्धालुओं के लिए मौके पर ही पंजीकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि पुरानी मंडी स्थित राम मंदिर परिसर में साधुओं के पंजीकरण के लिए एक विशेष शिविर बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''पंजीकरण तीन केंद्रों - वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा - पर किया जा रहा है। सरस्वती धाम एकमात्र केंद्र है, जहां से भक्त टोकन प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकरण केंद्र सुबह सात बजे खुल गए।''

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू स्थित राम मंदिर में साधुओं का पंजीकरण शुरू हो गया है और उनके लिए सभी इंतजाम किये गये हैं। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक साधु राम मंदिर परिसर में पहुंचे हैं, जो उनके लिए आधार शिविर है। उन्होंने बताया कि यहां उनके लिए भोजन और ठहरने की व्यवस्था की गई है।

ईशा कोप्पिकर ने आत्म-मूल्य और आत्मबल का आंदोलन छेड़ा

मुंबई/एजेन्सी

न्यू ऐज क्रीन ईशा कोप्पिकर एक बार फिर लौटी हैं- इस बार नए ज़माने के लिए नए लेकिन ज़रूरी संदेश के साथ। - एक ऐसी दुनिया में जहाँ अक्सर समाज आपको झुकने, ढलने और किसी तय मानक के अनुरूप बनने के लिए कहता है, वहाँ अपनी सच्चाई में अडिग रहना आत्म-सम्मान का सबसे बड़ा प्रतीक है। अपने नवीनतम वीडियो में ईशा ने एक गहराई से भरा और प्रेरणादायक संदेश दिया है खुद के सच्चे रूप में टिके रहना और दूसरों की कसौटियों में फिट होने के लिए खुद को छोटा न करने के बारे में एक मजबूत और आत्मा को झकझोर देने वाला संदेश देती हैं।

शांत आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ ईशा हमें याद दिलाती हैं कि हमें बाहरी दुनिया से मान्यता पाने की ज़रूरत नहीं है हमारे भीतर ही सब कुछ मौजूद है जिसकी हमें ज़रूरत है। तुम जैसे हो, वैसे ही पर्याप्त हो, वो कहती हैं। यह रषषळीरींळेप (सकारात्मक पुष्टि) उन सभी के लिए बहुत ज़रूरी है जो कभी-कभी खुद पर संदेह करने लगते हैं।

उनके शब्द आत्मविश्वास के सार को दर्शाती हैं - न ज़ोरदार, न दिखावटी या शेखी बघारने वाले नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी और अडिग। ईशा कहती है, आपको खुद को छोटा करने, बदलने या स्वीकृति पाने की कोशिश करने की ज़रूरत नहीं है। मैं यहाँ आपको याद दिलाने आई हूँ: आप जैसे हो, वैसे ही पर्याप्त हो। मजबूती से खड़े रहो। सच्च बोलो। अपनी क़ीमत पहचानो। =

वीडियो के अंत में ईशा दर्शकों से कहती हैं, खड़े रहो, सच बोलो, अपनी कीमत पहचानो, यह सिर्फ एक मोटिवेशनल संदेश नहीं रह जाता, बल्कि उन सभी के लिए एक निजी मंत्र बन जाता है जो बिना किसी शर्म के खुद को स्वीकार करना सीख रहे हैं। खुदसेखुदारी सिर्फ़ एक हैशटैग नहीं है, यह एक आंदोलन है और ईशा इसे शालीनता, धैर्य और ईमानदारी के साथ नेतृत्व कर रही हैं।

और इस तरह के शक्तिशाली संदेश को साझा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोशल मीडिया दिवस से बेहतर दिन और क्या हो सकता है? एक ऐसे मंच पर जहाँ अक्सर तुलना और क्यूरेटेड परफ़ेक्शन को बढ़ावा दिया जाता है, ईशा के शब्द हमें याद दिलाते हैं कि स्वयं होना ही सबसे बड़ा सौंदर्य है। डिजिटल दुनिया का उपयोग हमें ऊपर उठाने के लिए हो नीचा दिखाने के लिए नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 02-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर के तहत लेडीज विंग गदग ने केकेजी जोन उड़ान व्यापार मेले' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एमबी. संकाद, हुब्बल्ली गदग जीतो के पदाधिकारियों ने दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

ब्यावर संघ युवा शाखा के 'बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो' की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। तैयारी बैठक में युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इसमें शहर के अनेक गणमान्यजनों को इस आयोजन में आमंत्रित किया गया है। प्रदर्शनी के अधिकतम स्टाल बुक हो चुकेहै। एक्सपो में अनेकों प्रकार के उत्पादों की वैरायटी के साथ कपड़ा, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियाँ, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री व खानपान के स्टॉल लगाए जाएंगे।

दोपहर और शाम के सत्र में एक्स्पो में उपस्थित जनों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम और जादूगर शो का भी आयोजन किया जाएगा।

महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि उद्यमियों में इस एक्स्पो के लिए अपार उत्साह है। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के दिलीप कुमार पंकज बालर, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वेलरी के तनसुखराज जवेरीलाल गुलेच्छा, पैसोलाइट इलेक्ट्रिक के गणपतराज छाजेड़, मासकॉट फैब्रिक्स के बाबूलाल गांधी और गिफ्ट प्रायोजक मयन डायमंड्स के रतनचंद श्रीश्रीमाल हैं। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहन्त छाजेड़, कुणाल मरलेचा, सुनील भण्डारी, तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी के साथ युवा शाखा और लेडीज विंग के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

जीतो साउथ लेडीज विंग के 'हाट बाजार' में दिखा ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा सेवा कार्य के अंतर्गत आदर्श कॉलेज में हाट बाजार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन जीतो एपेक्स, केकेजी जोन व जीतो चैप्टर के पदाधिकारी, जीतो लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, महामंत्री निधि पालरेचा एवं कार्यक्रम संयोजिका संगीता पारख, सहसंयोजिका संगीता सियाल ने किया। जीतो साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी व मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने शुभकामनाएं दी। लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि साधर्मिक महिला उद्यमी को व्यावसायिक क्षेत्र में आगे लाना ही सेवा कार्य परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। हॉट बाजार में कपड़े, खाद्य आइटम, राखी, घरेलू साजसज्जा के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। हाट बाजार' में ग्राहकों ने जमकर खरीददारी की तथा उत्पादों के बारे में जानकारी ली। इस कार्यक्रम में जीतो एपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत, केकेजी जोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, साउथ चैप्टर के उपाध्यक्ष राजकुमार कोठारी, केकेजी जोन जीतो लेडीज विंग की संयोजक पिंकी जैन, श्रमण आरोग्यम एपेक्स की संयोजक सुनीता गांधी, लघु घरेलू व्यवसाय मॉडल एपेक्स की संयोजक बिंदु रायसोनी, पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर, नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ उपस्थित थे। हाट बाजार प्रदर्शनी की व्यवस्था लेडीज विंग कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहमंत्री चंद्रा जैन व साक्षी जैन सहित अनेक सदस्याओं ने संभाली। महामंत्री निधि पालरेचा ने धन्यवाद दिया।

जीतो लेडीज विंग गदग की 'उड़ान' प्रदर्शनी ने भरी ऊंची उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जीतो हुब्बल्ली चैप्टर के तहत लेडीज विंग गदग ने केकेजी जोन उड़ान व्यापार मेले' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एमबी. संकाद, हुब्बल्ली गदग जीतो के पदाधिकारियों ने दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उदघाटन के मौके पर जीतो के प्रवीण बाफना, पुष्पक होमनावर, दिलीप जैन, संतोष पोरवाल, ओमप्रकाश जैन, भरत पटवारी, अनिल कुमार जैन और प्रवीण चौधरी, गदग लेडीज विंग की स्वीटी भंसाली, मुख्य सचिव इंदिरा बागमार उपस्थित थे।

यह दो दिवसीय प्रदर्शनी परिसर समूह के जितेंद्र भंसाली द्वारा प्रायोजित और भंसाली एंटरप्राइजेज, विमल रसोई और विमल क्रिएशन द्वारा समर्थित थी। प्रदर्शनी की योजना और क्रियान्वयन संयोजिका संतोष गदिया और अंकिता जैन ने की थी। इस प्रदर्शनी में 43 से अधिक स्टॉल लगाए गए जिनमें फैशन, होम डेकोर, खाद्य आइटम, जीवनशैली संबंधित अनेक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शनी का लगभग 3 हजार लोगों ने अवलोकन किया और लगभग 90 लाख रुपए का व्यापार हुआ।

सम्मान

कर्नाटक मीडिया अकादमी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा कर्नाटक वर्किंग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस दिवस समारोह के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सम्मानित किया गया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जलाधिगेरे चिक्कम्मा दोड्डम्मा ट्रस्ट कुरुबरहल्ली द्वारा आयोजित पांच दिवसीय जात्रा एवं करगा महोत्सव के आखिरी दिन सोमवार को अन्नदान कार्यक्रम में सेवा देते हुए महेंद्र मुणोत।

मोक्ष की अभिलाषा रखने वाला ही मोह कर्म को मंद कर सकता है : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित अपने प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि मोक्ष की अभिलाषा रखने वाला ही मोह कर्म को मंद कर सकता है और मोह को मंद करने में सक्षम ही मुमुक्षु होता है। विनयमुनि जी ने कहा कि भूख तृप्ति, विहार, संयम पालन, प्राण रक्षा और धर्म चिंतन के लिए आहार जरूरी है और शरीर जब पूर्णतः अक्षम हो जाए तब अंतिम साधना के लिए संथारे का विधान है। संयम एक साधना है तो संथारा साधना का अंतिम पड़ाव है। शरीर और मन को नियंत्रण में रखना साधना है। मुमुक्षु साधक संसार में रहते हुए भी निर्लिप्त रहता है। बालवय हो या युवा अथवा वृद्धावस्था, साधना कभी भी की जा सकती है। सक्षम शरीर के साथ दीक्षा श्रेष्ठ दीक्षा होती है। दीक्षा से ज्यादा मुमुक्षु भावों का महत्व होता है।

हरित इस्पात की संभावनाओं पर भारत और रास अल खैमाह औद्योगिक निगम कर रहे हैं विचार

नई दिल्ली/भाषा

केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और रास अल खैमाह (आरके) के शासक सऊद बिन सक्र अल कासिमी ने संयुक्त अरब अमीरात से कम मात्रा वाले सिलिका के चूना पत्थर तक दीर्घकालिक पहुंच सुनिश्चित करने एवं हरित इस्पात के क्षेत्र में सहयोग की संभावना तलाशने सहित रणनीतिक अवसरों पर चर्चा की है। रास अल खैमाह, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का एक शहर है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय इस्पात मंत्री एमईसीओएन और एनएमडीसी कार्यालयों का उद्घाटन करने के लिए सोमवार को दुबई में थे। दोनों पक्षों ने हरित हाइड्रोजन की संभावनाओं, भारत से मूल्यवर्धित इस्पात निर्यात के माध्यम से व्यापार साझेदारी, रास अल खैमाह के स्थानीय चूना पत्थर एवं प्राकृतिक गैस का उपयोग करके 'कैल्सीनयुक्त' चूना उत्पादन इकाइयां स्थापित करने और सेल, एनएमडीसी और मेकॉन जैसे केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) के माध्यम से जुड़ाव बढ़ाने पर भी चर्चा की।

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है जो लौह अयस्क, चट्टान, जिप्सम, मैग्नेसाइट, हीरा, टिन, टंगस्टन, ग्रेफाइट, कोयला आदि की खोज में लगा है। मेकॉन, भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड भारत की एक प्रमुख इस्पात उत्पादक कंपनी है। कुमारस्वामी ने रास अल खैमाह को बुनियादी ढांचे के विकास, ऊर्जा घटकों और कच्चे माल मूल्य श्रृंखलाओं में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए आमंत्रित किया। भारत इस्पात को न केवल एक सामग्री के रूप में देखता है, बल्कि इसे हमारे बुनियादी ढांचे, परिवहन, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों की रीढ़ मानता है। रास अल खैमाह की खनिज संपदा, औद्योगिक क्षमता और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता इसे भारत की अगली पीढ़ी के इस्पात और संसाधन रणनीति के लिए एक आदर्श साझेदार बनाती है।'' एनएमडीसी के नए कार्यालय के बारे में मंत्री ने कहा कि यह खनिक को खनिज परिसंपत्ति अधिग्रहण, रणनीतिक संयुक्त उद्यम बनाने तथा भारत के स्वच्छ ऊर्जा एवं औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्रों के लिए आवश्यक 'स्टील-ग्रेड' चूना पत्थर, डोलोमाइट और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों जैसे प्रमुख कच्चे माल के स्रोत में विविधता लाने की स्थिति में लाएगा।

फैशन का जश्न, धूम मचाने आ रही हाई लाइफ एग्जिबिशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ एग्जिबिशन एक बार फिर शानदार प्रॉडक्ट्स लेकर आ रही है। इसका आयोजन 3, 4 और 5 जुलाई को 'द ललित अशोक' में होगा। इस बार यह एग्जिबिशन पहले से कहीं ज़्यादा धूम मचाने वाली है। यहां देशभर के नामी डिज़ाइनरों के अद्भुत कलेक्शन मिलेंगे।

चाहे शादी का जोड़ा हो या फिर त्योहारों के लिए स्टाइलिश परिधान, बेशकीमती गहने हों या लाइफस्टाइल के लिए शानदार चीज़ें, सबकुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

आप शादी के लिए कुछ ख़ास प्रॉडक्ट तलाश रहे हों या

अपने स्टाइल को नया लुक देना चाहते हों, यह एग्जिबिशन सपने को हकीकत में बदलने के लिए तैयार है। आयोजकों ने कहा कि फैशन के इस जश्न में शामिल हों, जहां ग्लैमर और भव्यता आपके इंतज़ार में हैं।

बियॉन्से के लिये कपड़े डिजाइन करना अद्भुत अनुभव रहा : मनीष मल्होत्रा

नई दिल्ली/भाषा। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने कहा कि मशहूर पॉप गायिका बियॉन्से के लिए कपड़े डिजाइन करना एक अद्भुत अनुभव रहा है।

पॉप गायिका बियॉन्से ने अपने 'काउबॉय कार्टर टूर' के तहत पेरिस में 21 जून को अंतिम शो के दौरान 'कस्टम-मेड सीक्विन्ड चैप्स' और 'बॉडीसूट' पहना था।

इस संगीत समारोह के दौरान उनके पति एवं रैपर जे-ज़ेड ने बियॉन्से के साथ मिलकर गाना गाया। मशहूर गीत 'ब्यूटीफुल लायर' की गायिका ने काले रंग की हील्स के साथ अपने लुक को पूरा किया और उन्होंने अपने बालों को खुला रखा था। मल्होत्रा ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर सोमवार शाम को इस संगीत कार्यक्रम की कई तस्वीरें साझा की थीं। डिजाइनर मल्होत्रा (58) ने कहा कि उन्हें खुशी है कि भारतीय डिज़ाइन वैश्विक पॉप संगीत कार्यक्रमों का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने बियॉन्से के सह कलाकारों के लिए भी कपड़े डिज़ाइन किए थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''बिय़ॉन्से के काउबॉय कार्टर टूर के लिए कपड़े डिजाइन करना, उनके लिए कस्टम सेक्विन चैप्स और बॉडीसूट बनाना। साथ ही उनके सह कलाकारों के लिए चैप्स बनाना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। बिय़ॉन्से के पेरिस में हुए अंतिम कार्यक्रम में उनके पति एवं रैपर जे-ज़ेड साथ में थे। दोनों को एक साथ प्रस्तुति देते हुए देखना अविस्मरणीय ऐतिहासिक क्षण था। इस तरह के वैश्विक पॉप संगीत कार्यक्रम में भारतीय डिजाइन को सबसे आगे देखना वाकई खास है। संगीत और फैशन के इस पल का हिस्सा बनकर खुश हूं।'

मात्र गांव में ही नहीं, गुरु जीवन में आने चाहिएं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

गदग जिले की सीमा में हुआ संतों का आगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। मंगलवार को सुबह गदग जिले की सीमा में प्रवेश के अवसर पर हल्लीकेरे में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी का स्थानीय कन्नड़भाषी श्रद्धालुओं और जैन श्रावकों के साथ-साथ गदग जिले के पुलिस अधिकारियों ने स्वागत कर उनकी अगवानी की। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्षावास भारतीय संस्कृति के साधु-संतों और ऋषि-मुनियों की महान परंपरा है। यह धर्म जागरण का शंखनाद है। वर्षावास में धर्म-उपदेशों, व्रत-तपस्याओं और विविध धार्मिक अनुष्ठानों द्वारा मनुष्य की सोई हुई चेतना को जगाने का पवित्र पुरुषार्थ होता है। हमारा मन कुछ ऐसा है कि उसे कोई बार-बार प्रेरित करने वाला और भीतर ज्ञान की बाती जलाने वाला चाहिए। धर्मगुरु यही काम करते हैं। आज भारतीय संस्कृति और अपनी जो भी पवित्र परंपराएं जीवंत बची हैं, उनमें साधु-संतों के वर्षावास का सर्वाधिक योगदान है। पश्चिम को यह सब नहीं मिल पाया है, इसलिए वहां अनेक विषमताएं और विकलताएं हैं। इस दृष्टि से भारत भूमि सौभाग्यशाली है। वर्षावास का सुयोग अपनी युगों-युगों की अज्ञानता, मूढ़ता, निद्रा, तंद्रा और कुवृत्तियों को झकझोर कर, जीवन की दिशा और दशा को बदलने का सुनहरा अवसर है।

आचार्यजी ने आगे कहा कि गुरु जिस किसी गांव-नगर में आते हैं, वह भूमि तीर्थतुल्य बन जाती है। लेकिन सभी को यह बात सदैव याद रखनी चाहिए कि गुरु का मात्र गांव में पधारना ही पर्याप्त नहीं हैं, गुरु का अपने जीवन में भी पदार्पण होना चाहिए। गुरु के मार्गदर्शन में जीवन जीया जाना चाहिए। अत्यंत पुण्यप्रताप से ही भगवान, गुरु और धर्म मिलते हैं, लेकिन बिना पुरुषार्थ के वे फलते नहीं हैं। किसी का मिलना काफी नहीं है, उनका फलीभूत होना जरूरी है। वे लोग सचमुच सौभाग्यशाली होते हैं, जो भगवान, गुरु और धर्म की प्राप्ति के स्वर्णिम संयोग को सफल बना देते हैं। गदग जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि हल्लीकेरे में दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। जैनाचार्य के विराट वर्षावास को लेकर गदग में व आसपास के क्षेत्रों में अत्यंत उत्साह का वातावरण बना है। जैनाचार्य के चातुर्मास प्रवेश को लेकर जोरदार तैयारियां चल रही है। घर-घर में महोत्सव जैसा माहौल बना है।

खुशी

नए शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन मुरादाबाद में एक सरकारी स्कूल में कक्षाओं में जाते समय छात्र खुशी से मुस्कुराते हुए।

जम्मू में अमरनाथ यात्रा से पहले पंजीकरण काउंटर के बाहर मंगलवार को साधु प्रतीक्षा करते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com